लखनऊ

गुरुवार, 7 नवम्बर, 2024

वर्ष : 10 । अंक: 116

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

अगर नियत अच्छी होती है तो नसीब कभी भी बुरा नहीं होता।

TODAY WEATHER

DAY 33° Hi

NIGHT 27° Low

संक्षेप

घर के अंदर नेतन्याहू का ताबड़तोड़ एक्शन, फैसले से दुनिया के सबसे ताकतवर ऑफिस को हिलाया!

गाजा। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बैंजामिन नेतन्याहू ने बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने इजराइल के रक्षा मंत्री याव गैलेंट को हटा दिया है। गैलेंट को बर्खास्त करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि जंग के समय उन्हें रक्षा मंत्री पर भरोसा नहीं है। गैलेंट ने पीएम को जवाब देते हुए कहा कि देश की सुरक्षा पहली प्राथमिकता है। गाजा में जारी युद्ध के दौरान नेतन्याहू और गैलेंट के बीच कई बार मतभेद सामने आए। हालांकि नेतन्याहू ने उन्हें बर्खास्त करने से परहेज किया। नेतन्याहू ने पिछले साल मार्च में जब गैलेंट को बर्खास्त करने का प्रयास किया था तो उनके इस कदम के खिलाफ देश में प्रदर्शन हुआ था। नेतन्याहू के ऐलान के तुरंत बाद गैलेंट ने कहा कि इजराइल की सुरक्षा हमेशा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि इजराइल की सुरक्षा मेरे जीवन का मिशन थी और हमेशा रहेगी। गैलेंट और नेतन्याहू दोनों दक्षिणपंथी लिकुड पार्टी के नेता हैं। नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने दूरियों को पाटने की कोशिश की थी लेकिन वो बढ़ती गई और सार्वजनिक हो गईं। इससे भी बुरी बात यह है कि हमारे दुश्मनों ने इसका आनंद लिया और इससे बहुत लाभ उठाया। गैलेंट ने मध्य पूर्व में इजराइल के युद्ध के संबंध में असहमति व्यक्त की थी। गैलेंट ने कहा कि युद्ध में स्पष्ट दिशा का अभाव है, जबकि नेतन्याहू ने दोहराया कि जब तक गाजा में हमास का सफाया नहीं हो जाता, तब तक लड़ाई बंद नहीं हो सकती।

भारत के अपराधियों को वीजा दे रहा कनाडा, पूर्व कनाडाई पुलिस अधिकारी ने खोली पीएम ट्रूडो की पोल

टोरंटो। टोरंटो के पूर्व पुलिस सार्जेंट (जासूस) डोनाल्ड बेस्ट ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की इस आलोचना का समर्थन किया कि कनाडा में अप्रवासियों के लिए उचित जांच प्रक्रियाओं का अभाव है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि कनाडा की वीजा स्वीकृति प्रक्रिया त्रुटिपूर्ण है, जिससे आपराधिक पृष्ठभूमि वाले और भारत में संगठित अपराध से जुड़े लोगों को देश में प्रवेश करने की अनुमति मिलती है। एएनआई के साथ एक इंटरव्यू में डोनाल्ड बेस्ट जो एक खोजी पत्रकार भी हैं, उन्होंने खालिस्तानी अलगाववादियों को कनाडा में राजनीतिक स्थान मिलने के बारे में भारत की चिंताओं का समर्थन किया। बेस्ट ने कहा कि भारत के विदेश मंत्री ने उल्लेख किया है कि कनाडा उन लोगों के लिए वीजा स्वीकृत कर रहा है जो अपराधी हैं और भारत में संगठित अपराध के सदस्य थे। मेरा मानना है कि यह सच है। हमारे अप्रवासियों की हमारे पास बिल्कुल भी जांच नहीं है। ऐसा लगता है कि कनाडा आने वाले और शरणार्थी का दर्जा पाने वाले बहुत से लोग, न केवल भारत से बल्कि दुनिया भर से, अपने ही देश से भाग रहे हैं क्योंकि वे वांछित अपराधी हैं। मुझे लगता है कि यह बड़ी संख्या में खालिस्तानी अलगाववादियों को कनाडा की ओर आकर्षित कर रहा है क्योंकि वे संरक्षित हैं और उन्हें यहां शरण मिलती है और उनका समुदाय बढ़ रहा है। ओटावा के साथ दिल्ली के संबंधों में गिरावट देखी गई है क्योंकि भारत ने बार-बार कनाडा में उग्रवाद और हिंसा की संस्कृति और भारत विरोधी गतिविधियों के बारे में अपनी गहरी चिंता व्यक्त की है।

एक हैं तो सेफ हैं... बंटोगे तो कटोगे के बाद मुख्यमंत्री योगी का नया नारा

महाराष्ट्र में 'महाअघाड़ी' को बताया महाअनाड़ी गठबंधन

मुंबई, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज महाराष्ट्र में चुनावी प्रचार के लिए पहुंचे थे। इस दौरान वाशिम विधान सभा क्षेत्र में उन्होंने भाजपा के लिए प्रचार किया। योगी ने विपक्ष पर जमकर वार किया। योगी ने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा की विजय गाथा लिखने जा रहा है। विपक्ष पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि ये 'महाअघाड़ी' नहीं, 'महाअनाड़ी' गठबंधन है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि क्या कांग्रेस ने कभी ईमानदारी से 'भारत' और 'भारतीयता' के बारे में सोचा?

योगी ने साफ तौर पर कहा कि 'भारत' दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि बंटिए मत! क्योंकि जब भी बंटे थे तो कटे थे। एक हैं तो नेक हैं, एक हैं तो सेफ हैं। वहीं, अमरावती में योगी ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने उस कालखंड में जब औरंगजेब जैसा बर्बर आक्रांता भारत में शासन कर रहा था, तब उन्होंने उसकी सत्ता को चुनौती दी थी।

उन्होंने आगे कहा कि मुझे याद है कि जब 2017 में मुझे उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया तब मैं आगरा गया था। आगरा में जब मैं निरीक्षण कर रहा था तो मुझे बताया गया कि वहां एक मुग़ल संग्राहलय बन रहा है। मैंने कहा कि मुग़ल का भारत और आगरा से क्या संबंध है? हमने कहा भारत का संबंध छत्रपति शिवाजी महाराज से है। इस म्यूज़ियम का नाम बदलो। यह संग्राहलय मराठा और छत्रपति शिवाजी महाराज का प्रतीक बनना चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सब मिलकर चलें और देश को आगे बढ़ाने का संकल्प लें। ध्यान रखें, बात सबकी सुननी है, लेकिन बंटना नहीं है।

एलएमवी लाइसेंस धारक चला सकेंगे हल्के ट्रांसपोर्ट वाहन, सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि लाइट मोटर व्हीकल (एलएमवी) का ड्राइविंग लाइसेंस रखने वाला व्यक्ति अब 7500 किलोग्राम तक के हल्के ट्रांसपोर्ट वाहन चला सकता है। यह फैसला बीमा कंपनियों और ड्राइवरों दोनों के लिए बड़ी राहत की खबर है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली पांच-सदस्यीय संविधान पीठ इस पर फैसला सुनाया है।

बीमा कंपनियां लंबे समय से इस बात पर सवाल उठाती रही थीं कि क्या एलएमवी लाइसेंस धारक ट्रांसपोर्ट वाहन चलाने के लिए योग्य हैं। उनका तर्क था कि दोनों के लिए अलग-अलग लाइसेंस की आवश्यकता होती है। इस मुद्दे पर कई बार विवाद हुए और अदालतों में मुकदमे भी हुए।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर लंबी सुनवाई के बाद फैसला सुनाया है कि एलएमवी लाइसेंस धारक 7500 किलोग्राम तक के हल्के ट्रांसपोर्ट वाहन चला सकते हैं। इस फैसले से बीमा कंपनियों को अब ऐसे मामलों में क्लेम देने से इनकार नहीं कर सकेंगी। सरकार ने भी इस फैसले का स्वागत किया है। केंद्र सरकार शीतकालीन सत्र में मोटर वाहन अधिनियम में संशोधन करके इस फैसले को कानूनी रूप देगी। इस फैसले के बाद अब ड्राइवरों को अलग से ट्रांसपोर्ट वाहन का लाइसेंस लेने की जरूरत नहीं होगी।

हवा से उड़- उड़कर सड़क पर गिरी लाशें... हरदोई में ट्रक और ऑटो रिक्शा के बीच जोरदार टक्कर, हादसे में 10 लोगों की मौत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

हरदोई. यूपी के हरदोई में ट्रक और ऑटो रिक्शा के बीच हादसा हो गया। इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा 5 गंभीर रुप से घायल है। मृतकों में 6 महिलाएं और 2 बच्चे, एक लड़की और एक पुरुष शामिल हैं। सभी लोग एक ऑटो रिक्शा में सवार थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो रिक्शा उछलकर दूर जा गिरा। रिक्शा पलटते ही अंदर बैठी सवारियां बाहर गिर गईं। सड़क पर लाशें बिखरी पड़ी थीं। हादसा बुधवार दोपहर बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के रोशनपुर गांव के पास हुआ। पुलिस का कहना है कि ऑटो बिलग्राम की ओर जा रहा था। अचानक वह अनियंत्रित हो गई और सड़क पर पलट गई। इसी दौरान सामने से पूरी रफ्तार से आ रहे ट्रक ने ऑटो में टक्कर मार दी और यात्रियों को कुचल दिया। घटना के बाद ट्रक चालक भाग गया।

जारी की गई जानकारी के अनुसार, यह घटना हरदोई के रोशनपुर गांव में हुई, जहां अधिकारियों ने बताया कि अचानक हुई टक्कर में छह महिलाओं, तीन बच्चों और एक पुरुष सहित दस यात्रियों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि उन्हें घटना की सूचना दोपहर करीब 12:30 बजे मिली। बचाव कार्य करने के लिए अधिकारियों की एक टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। घटना में कुल चार लोग घायल हुए, जिनमें से सभी की हालत स्थिर बताई जा रही है। हरदोई के पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने कहा, 'ऑटो और ट्रक के बीच हुई टक्कर में छह महिलाओं सहित दस लोगों की मौत हो गई। चार लोग घायल हो गए। वे खतरे से बाहर हैं, लेकिन उन्हें आगे के इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा जा रहा है।'

हरदोई एसपी ने यह भी कहा कि दुर्घटना की जांच चल रही है और जल्द ही और अधिक जानकारी जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच के तहत एक संभावित कारण यह हो सकता है कि मोटरसाइकिल से संभावित टक्कर से बचने की कोशिश में डीसीएम वाहन ने नियंत्रण खो दिया और ऑटो को टक्कर मार दी।

CM योगी ने जताया शोक

हादसे पर सीएम योगी ने दुख जताया है। अधिकारियों को मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए गए। उन्होंने घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था करने को कहा है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मौखिक आदेश से 11 तक बुलडोजर कार्रवाई पर लगाई रोक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने बुधवार 06 नवंबर को सुनवाई के दौरान राज्य सरकार को मौखिक निर्देश दिया कि वह फिलहाल ऐसी कोई कारवाई न करें जो कानून सम्मत न हो। इस पर सरकारी वकीलों ने भी कानून सम्मत करवाई करने का आश्वासन दिया। बता दें कोर्ट बहराइच में मूर्ति विसर्जन के दौरान हुई हिंसा के बाद जारी ध्वस्तीकरण नोटिसों को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा था।

हाइकोर्ट ने राज्य सरकार को चार बिंदुओं पर जवाब दाखिल करने और याची को इनपर आपत्तियां दाखिल करने का समय देकर अगली सुनवाई 11 नवंबर को नियत की है। हालांकि, मामले में कोर्ट ने अभी कोई अंतरिम आदेश नहीं दिया है लेकिन, फिलहाल ध्वस्तीकरण नोटिस मामले में 11 नवंबर तक कथित अतिक्रमणकर्ताओं को राहत रहेगी।

न्यायमूर्ति ए आर मसूदी और न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ के समक्ष एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स संस्था की जनहित याचिका में बहराइच के कथित अतिक्रमणकर्ताओं को बीते 17 अक्तूबर को जारी ध्वस्तीकरण नोटिसों को चुनौती देकर इन्हे रद्द करने के निर्देश देने का आग्रह किया गया है। कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा कि क्या नोटिसें जारी करने से पहले वहां कोई सर्वे किया गया था या नहीं? क्या जिन्हें नोटिसें जारी हुईं वे लोग निर्मित परिसरों के स्वामी हैं या नहीं? नोटिस जारीकर्ता प्राधिकारी इन्हें जारी करने को सक्षम था या नहीं। इन बिंदुओं के अलावा कोर्ट ने सरकार से यह भी पूछा है कि महराजगंज बाजार की जिस सड़क पर बने निर्माणों को ढहाने की नोटिस जारी हुईं, क्या पूरा निर्माण या उसका कोई हिस्सा अवैध निर्माण था या नहीं? राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता विनोद शाही मुख्य स्थाई अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार सिंह के साथ पेश हुए और कोर्ट को वांछित जानकारी दी।

राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप की ऐतिहासिक जीत

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव 2024 में डोनाल्ड ट्रंप ने जीत दर्ज की है और अब वह दूसरी बार राष्ट्रपति पद संभालेंगे. एसोसिएटेड प्रेस ने चुनावी रिजल्ट की घोषणा की है, जिसके अनुसार ट्रंप ने 277 इलेक्टोरल कॉलेज वोट जीते हैं, जो कि 270 के बहुमत के आंकड़े को पार कर गया. ट्रंप ने अपनी प्रतिद्वंद्वी डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस को हराया, जिन्होंने 224 इलेक्टोरल कॉलेज वोट जीते. जैसे-जैसे ट्रंप की जीत पक्की हो रही थी उन्होंने देश भर में मिले समर्थन पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने राष्ट्रपति चुनावों में जीत का दावा करते हुए इसे 'अभूतपूर्व राजनीतिक जीत' बताया।

पीएम मोदी ने भी दी बधाई

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी जीत पर ट्रंप को बधाई दी। मोदी ने एक्स पर कहा, 'मैं अपने दोस्त डोनाल्ड ट्रंप को चुनाव में ऐतिहासिक जीत पर दिल से बधाई देता हूं। जैसा कि आप अपने पिछले कार्यकाल की सफलताओं को आगे बढ़ा रहे हैं। मैं भारत-अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए हमारे सहयोग को नई ऊंचाई तक पहुंचाने के लिए उत्सुक हूं। आइए मिलकर अपने लोगों की भलाई के लिए वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए काम करते हैं।'

कांग्रेस ने जीत पर ट्रंप को दी बधाई

कांग्रेस ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जीत पर रिपब्लिकन नेता डोनाल्ड ट्रंप को बुधवार को बधाई दी। पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि वह वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए अमेरिका के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं। खरगे ने एक्स पर कहा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से हम राष्ट्रपति ट्रंप को उनकी चुनावी जीत के लिए बधाई और शुभकामनाएं देते हैं। कांग्रेस प्रमुख ने कहा, 'भारत और अमेरिका एक मजबूत व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं, जो लंबे समय से चले आ रहे लोकतांत्रिक मूल्यों, समान हितों और लोगों के आपसी संबंधों पर आधारित हैं।' खरगे ने कहा, 'हम वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए अमेरिका के साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हैं।'

नागपुर में आरएसएस-बीजेपी पर बरसे राहुल गांधी, संविधान पर आक्रमण का लगाया आरोप, बोले- जाति जनगणना होनी

नई दिल्ली, एजेंसी। नागपुर में 'संविधान सम्मान सम्मेलन' को संबोधित करते हुए लोकसभा सांसद और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि जब आरएसएस और बीजेपी के लोग संविधान पर हमला करते हैं, तो वे सिर्फ इस किताब पर हमला नहीं कर रहे हैं, वे भारत की आवाज पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी संस्थाएं संविधान से बनी हैं। यदि संविधान नहीं होगा, तो कोई चुनाव आयोग भी नहीं होगा। उन्होंने कहा कि आरएसएस इस पर (संविधान पर) सीधे हमला नहीं कर सकता। अगर वे इसके खिलाफ सामने से लड़ेंगे तो 5 मिनट में हार जायेंगे।

कांग्रेस नेता ने कहा कि 'विकास', 'प्रगति' और 'अर्थव्यवस्था', इन शब्दों के पीछे छिपकर वे हमला करने आते हैं। उन्होंने कहा कि हम हर सम्मेलन में अंबेडकर जी, गांधी जी, साहू महाराज जी समेत कई महान लोगों के बारे में बात करते हैं। लेकिन सच्चाई ये है कि जब हम इनकी बात करते हैं तो सिर्फ एक व्यक्ति की बात नहीं होती। क्योंकि इन महापुरुषों की बातों में भी करोड़ों लोगों की आवाज रहा करती थी। वे जब बोलते थे तो दूसरों का दुख, दर्द उनके मुंह से निकलता था, तभी हम उनको याद करते हैं।

राहुल ने लोगों से कहा कि जब आप अंबेडकर जी की किताबें पढ़ेंगे तो साफ दिखेगा कि वे अपनी नहीं, दूसरों की बात कर रहे हैं। अंबेडकर जी, गांधी जी ने कभी अपना दर्द नहीं देखा, वे सिर्फ लोगों के दर्द की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि जब हिंदुस्तान ने अंबेडकर जी से संविधान बनाने के लिए कहा, तो इसका मतलब था- संविधान में देश के करोड़ों लोगों का दर्द और उनकी आवाज गूंजनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान सिर्फ एक किताब नहीं है, ये जिंदगी जीने का तरीका है। संविधान के पीछे की सोच हजारों साल पुरानी है। इसमें जो लिखा है, वही भगवान बुद्ध, महात्मा गांधी, फुले जी जैसे अनेक महापुरुषों ने कही है।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि इसमें लिखा है कि सभी के बीच समानता होनी चाहिए, हर धर्म, हर भाषा, हर जाति का आदर होना चाहिए। जब RSS-BJP के लोग संविधान पर आक्रमण करते हैं, तो वे हिंदुस्तान की आवाज पर आक्रमण करते हैं। उन्होंने कहा कि जनता की बात सुनते वक्त मेरे पास एक छोटी सी आवाज आई- जातिगत जनगणना।

पीएम विद्यालक्ष्मी योजना को मंत्रिमंडल ने दी मंजूरी, आपके बच्चे की पढ़ाई से सीधा कनेक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक नई योजना पीएम विद्यालक्ष्मी को मंजूरी दे दी है जो वित्तीय बाधाओं का सामना करने वाले मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है ताकि वह गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें। योजना के अनुसार, जो कोई भी गुणवत्ता उच्च शिक्षा संस्थानों (क्यूएचईआई) में प्रवेश लेता है, वह ट्यूशन फीस की पूरी राशि और पाठ्यक्रम से संबंधित अन्य खर्चों को कवर करने के लिए बैंकों और वित्तीय संस्थानों से संपार्श्विक मुक्त, गारंटर-मुक्त ऋण प्राप्त करने के लिए पात्र होगा।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने ट्विटर हैंडल पर उन छात्रों के लिए पीएम विजयलक्ष्मी योजना के विवरण की घोषणा की जो उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लेना चाहते हैं लेकिन वित्तीय बाधाओं का सामना करते हैं। कोई भी छात्र जो उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश सुरक्षित करता है, और पात्रता शर्तों के अंतर्गत आता है, वह पीएम विद्यालक्ष्मी योजना के माध्यम से उच्च शिक्षा संस्थानों में आगे बढ़ने के लिए शिक्षा ऋण का लाभ उठा सकता है। यह योजना हर साल 22 लाख से अधिक छात्रों को कवर करेगी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य गरीब और मध्यम वर्ग के लाखों छात्रों को सशक्त बनाना है।

मंत्री ने कहा कि 8 लाख रुपये तक की वार्षिक पारिवारिक आय वाले छात्र 10 लाख रुपये तक के शिक्षा ऋण पर 3% ब्याज छूट पाने के पात्र होंगे। उन्होंने आगे बताया कि मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता एनईपी 2020 की एक प्रमुख सिफारिश है। पीएम विद्यालक्ष्मी एनईपी के कार्यान्वयन की दिशा में एक और ठोस कदम है। एनआईआरएफ के आधार पर देश के शीर्ष 860 एचईआई में प्रवेश पाने वाले छात्रों को पीएम विद्यालक्ष्मी के तहत शिक्षा ऋण की सुविधा प्रदान की जाएगी। छात्र एक पारदर्शी, छात्र-अनुकूल और डिजिटल आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से शिक्षा ऋण प्राप्त कर सकेंगे जो सभी बैंकों के लिए सामान्य होगी।

उच्च शिक्षा विभाग के पास एक एकीकृत पोर्टल पीएम-विद्यालक्ष्मी होगा, जिस पर छात्र सभी बैंकों द्वारा उपयोग की जाने वाली सरलीकृत आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से शिक्षा ऋण के साथ-साथ ब्याज छूट के लिए आवेदन कर सकेंगे। ब्याज छूट का भुगतान ई-वाउचर और सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) वॉलेट के माध्यम से किया जाएगा। पीएम विद्यालक्ष्मी योजना केंद्र सरकार की एक नई योजना है जो उन मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है जो उच्च शिक्षा हासिल करना चाहते हैं लेकिन वित्तीय बाधाओं का सामना करते हैं।

कोई भी राष्ट्रपति बने...अमेरिका के इलेक्शन रिजल्ट पर आया जयशंकर का बड़ा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रंप के जीत के साथ ही सबसे बड़ा सवाल ये कि क्या उनका जीतना भारत के लिए फायदे का सौदा लेकर आएगा। इसे लेकर भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी सवाल पूछा गया तो उनका जवाब गजब का आया। ऐसे वक्त में जब विश्लेषक अलग अलग अंदाजा लगा रहे हैं। कोई टैरिफ की बात कर रहा है तो कट्टरवाद को लेकर भारत के साथ आकर खड़े होने वाले डोनाल्ड ट्रंप का भी जमकर जिक्र हो रहा है। डिप्लोमेसी और ट्रेड के बीच डोनाल्ड ट्रंप किसका चुनाव करेंगे ये एक बात है। लेकिन इसे लेकर भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर क्या सोच रहे हैं ये समझना जरूरी है। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर बड़े पैमाने पर डोनाल्ड ट्रंप को भर भर कर वोट पड़ रहे थे तो भारत और अमेरिका के रिश्तों के लिहाज से ट्रंप और हैरिस में कौन ज्यादा बेहतर है इसे लेकर सवाल तेज हो गए। ऐसा ही सवाल जब जयशंकर से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि भारत ने अमेरिका के पिछले पांच राष्ट्रपतियों के कार्यकाल के दौरान उनके साथ अपने संबंधों में लगातार प्रगति देखी है।

जयशंकर ने अपने बयान में कहा कि अमेरिका के साथ भारत के संबंध मजबूत ही होंगे चाहे राष्ट्रपति कोई भी बने। जब अमेरिकी अभी भी वोट डाल रहे थे, जयशंकर ने कहा कि चुनाव से अमेरिकी नीति में दीर्घकालिक रुझान को उलटने की संभावना नहीं है। उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडेन के तहत अफगानिस्तान से सैनिकों की तैनाती और उसकी वापसी के प्रति अमेरिका की अनिच्छा की ओर इशारा करते हुए कहा कि संभवतः (राष्ट्रपति बराक) ओबामा के बाद से अमेरिका अपनी वैश्विक प्रतिबद्धताओं के बारे में अधिक सतर्क हो गया है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के विदेश मंत्रियों के साथ एक पैनल चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प इस संबंध में अधिक स्पष्ट और अभिव्यंजक हो सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका को वर्तमान प्रशासन की विचारधारा के बजाय राष्ट्रीय स्तर पर अधिक देखना महत्वपूर्ण है। अगर हम वास्तव में उनका विश्लेषण कर रहे हैं, तो मुझे लगता है कि हमें एक ऐसी दुनिया के लिए तैयार रहना होगा।

महिलाओं ने छठ पूजा के दूसरे दिन खरना पर रखा उपवास

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सीतापुर। संतान की दीर्घायु और खुशहाली के लिए की जाने वाली छठ पूजा के दूसरे दिन बुधवार को खरना पर निर्जला व्रत रखकर महिलाओं ने सूर्य देव की उपासना की। घरों में शाम के समय गेहूं की रोटी, गन्ने के रस की खीर आदि से भोग लगाने के बाद प्रसाद ग्रहण किया। इससे पूर्व बाजारों में छठ पूजा की तैयारियों के चलते पूजन सामग्री, गन्ने, कोसी, कपड़े, श्रृंगार का सामान आदि की खरीदारी के लिए दुकानों पर लोगों की पूरे दिन भीड़ रही। बुधवार को महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर सूर्य देव की उपासना की। महिलाओं ने विशेष तरीके से गन्ने के रस की खीर बनाई गई। इसके अलावा गेहूं की रोटी बनाईं गई। उपवास रखने वाली महिलाओं ने शाम के समय अपने-अपने घरों में सूर्य की उपासना कर गेहूं की रोटी, खीर का भोग लगाकर प्रसाद ग्रहण किया। भद्रकाली सीमित के अध्यक्ष पं धनजंय शास्त्री ने बताया कि संतान की दीर्घायु और खुशहाली के लिए की जाने वाली छठ पूजा का पर्व चार दिन तक मनाया जाता है। बुधवार को दूसरा दिन था। गुरुवार को तीसरे दिन शाम को महिलाएं छठ पूजा स्थल पर एकत्र होंगी। यहां पर कृत्रिम तालाब बना है। तालाब के पानी में खड़े होकर महिलाएं डूबते सूर्य देव को अर्घ्य देंगी। शुक्रवार को चौथे दिन तड़के उगते सूर्य देव को अर्घ्य दिया जाएगा। इसके लिए छठ पूजा स्थल पर पहले से ही साफ. सफाई कराई जा चुकी है। इसके अलावा विभिन्न स्थानों को फूलों और बिजली की रंग-बिरंगी झालरों से सजाया जा रहा है। उधर लोगों ने नारियल, काला चना, चावल, सुपारी, लकड़ी की सांच, छाज, डलिया, कोसी, ढकना, ढकनी, गुड़, गन्ने, फल, सब्जी आदि की जमकर खरीदारी की। इससे बाजारों में पूरे दिन चहल-पहल रही।

छठ पूजा पर सूर्य उपासना का वैज्ञानिक व आध्यात्मिक महत्व

छठ पर्व की परंपरा में वैज्ञानिक और ज्योतिषीय महत्व भी छिपा है। षष्ठी तिथि एक विशेष खगोलीय अवसर है। इस समय धरती के दक्षिणी गोलार्ध में सूर्य रहता है और दक्षिणायन के सूर्य की अल्ट्रावायलेट किरणें धरती पर सामान्य से अधिक मात्रा में एकत्रित हो जाती हैं, क्योंकि इस दौरान सूर्य अपनी नीच राशि तुला में होता है। ज्योतिषाचार्य पंडित राकेश पाण्डेय ने बताया कि इन दूषित किरणों का सीधा प्रभाव जनसाधारण की आंखों, पेट, त्वचा आदि पर पड़ता है। सूर्य की उपासना के इस पर्व का सबसे पहला उल्लेख ऋग्वेद में मिलता है।

इन पुराणों में छठ पूजा का जिक्र

छठ पूजा का उल्लेख विष्णुपुराण, भगवत पुराण, ब्रह्मपुराण में भी मिलता है। इसे लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं, रामायण काल से लेकर महाभारत काल तक इसका उल्लेख मिलता है। एक कथा के अनुसार ऋषि अर्क को स्वयं आकाशवाणी से इस महान पर्व को करने की प्रेरणा मिली थी। वे कुष्ठ रोग से पीड़ति थे। पीड़ा के कारण वे अपना शरीर तक त्यागना चाहते थे, पर तभी आकाशवाणी हुई और उन्हें इस पर्व की महिमा का ज्ञान मिला, जिसके बाद ऋषि अर्क ने श्रद्धा से इस व्रत को किया।

वर्तमान समय में विद्यालय की सबसे बड़ी चुनौती छात्रों की उपस्थिति- अनवर अली

लहरपुर /सीतापुर। क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय ईरापुर में विधालय प्रबंधन समिति की बैठक का आयोजन बुधवार को किया गया। जिसमें अभिभावकों ने विद्यालय को बेहतर बनाने के लिए साझा प्रयासों पर चर्चा की,इस मौके पर माह अक्टूबर में शत-प्रतिशत उपस्थिति रहने वाले एवं निपुण लक्ष्य को प्राप्त करने वाले बच्चों को फूल माला पहनाकर तथा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। बैठक में मौजूद अभिभावकों को संबोधित करते हुए संकुल शिक्षक अनवर अली ने कहा कि, वर्तमान समय में विद्यालय की सबसे बड़ी चुनौती छात्रों की उपस्थिति है। अभिभावकों के सहयोग से ही इस समस्या का समाधान सम्भव है, सभी अभिभावक अपने बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय अवश्य भेजें। शिक्षक सरोज कुमार वर्मा ने शिक्षा का अधिकार कानून एवं नई शिक्षा नीति की विशेषताओं पर प्रकाश डाला।

युवक को संदिग्ध परिस्थिति में युवक को लगी गोली

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सीतापुर। महोली कोतवाली क्षेत्र के अढौरी गांव में मंगलवार देर शाम एक युवक के संदिग्ध परिस्थिति में गोली लग गयी जिससे वह गंभीर घायल हो गया।परिजनों ने उसे सीएचसी भर्ती कराया है। जहां से चिकित्सक ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। जिला अस्पताल में हालत गंभीर होने के चलते ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है जहां पर उसका उपचार चल रहा है। अढौरा गांव के सतीश पुत्र ओमकार अपने गांव के ही साथी रामजीवन के साथ गांव में ही थे। देर रात गांव के बाहर अचानक हुई फायरिंग की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके की तरफ दौड़े जहां का नजारा देख दंग रह गए मौके पर सतीश खून से लतपथ अचेत पड़ा था। उसके पेट में गोली लगी थी। आनन फानन में परिजन उसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आए। जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल में हालत मे सुधार न होने पर चिकित्सक ने ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया है।सतीश के पुत्र अरुण ने बताया कि मंगलवार देर शाम गांव के ही राम जीवन पिता को घर से बुलाकर अपने घर ले गए। जहां पर उन्हें शराब पिलाई इसके बाद गांव के बाहर ले जाकर गोली मार दी। परिजनो के मुताबिक दोनो एक दूसरे के दोस्त हैं कोई पुरानी रंजिश भी नहीं है। शराब पीने के बाद किसी बात को लेकर विवाद हुआ है जिसपर रामजीवन ने गोली मारी है।सूचना पाकर देर रात मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस रामजीवन को लेकर कोतवाली आई। जहां पर उससे पूछताछ की जा रही है। इंस्पेक्टर विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अभी तक तहरीर नहीं मिली है।

बहराइच हिंसा ने झकझोरा...तो नूरा ने त्याग दिया मुस्लिम पंथ, निशा बनकर हिंदू रीति रिवाज से रचाई शादी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सीतापुर। उत्तर प्रदेश के अंबेडकरनगर से एक ऐसी घटना सामने आई है, जो लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी है। यहां की निवासी नूरा ने मुस्लिम पंथ को त्याग दिया है। उन्होंने निशा बनकर हिंदू रीति रिवाज से शादी रचाई। इसके पीछे नूरा का जो तर्क है, इस पर समाज में चर्चा हो रही है। निशा का कहना है कि बहराइच हिंसा ने उनके जीवन में एक गहरा दुख पैदा किया। हिंसा से आहत होकर उन्होंने सनातन धर्म अपना लिया।

उन्होंने न सिर्फ सनातन धर्म अपनाया। बल्कि हिंदू युवक अखिलेश से हिंदू रीति रिवाज से मंदिर में विवाह भी कर लिया। अखिलेश जिले के ही मछरेहटा गांव के रहने वाले हैं। इस शादि के लिए निशा और अखिलेश ने एक हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं की मदद ली।

ताकि, उनके विवाह में किसी तरह का व्यवधान न पैदा हो। विवाह के दौरान संगठन के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यह थी बहराइच हिंसा

जिस बहराइच हिंसा ने नूरा के मन को इतना व्यथित किया कि उन्होंने अपना धर्म बदल लिया। आइए उसके बारे में जानते हैं। दरअसल, बहराइच में नवरात्रि पर्व में धार्मिक यात्रा के दौरान महज झंडा बदलने की वजह से एक हिंदू युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। पोस्टमार्टम के दौरान उसके शरीर पर गोली के 36 छर्रे मिले थे। इस घटना ने नूरा को अंदर तक झकझोर दिया। अब उन्होंने मुस्लिम पंथ को ही त्याग दिया है।

निशा को घरवालों से था भय

सनातन धर्म में आने का मन बनाया, तो उन्हें घरवालों से भय सताताता था। इसलिए, उन्होंने राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास हिंदू के संपर्क किया। उन्होंने सीतापुर जिले के एक मंदिर प्रांगण में वैदिक परंपरा के अनुसार घर वापसी करके अपना नाम नूरा से बदलकर निशा रखा लिया।

अखिलेश ने रखा शादी का प्रस्ताव

इसके बाद जिले के मछरेहटा निवासी अखिलेश ने निशा से विवाह का प्रस्ताव रखा। इसे निशा ने स्वीकार कर लिया। परंतु अखिलेश को डर सता रहा था कि कहीं निशा उर्फ नूरा के घरवाले किसी घटना को अंजाम न दें। इस पर हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने उन्हें सुरक्षित रखने का वचन दिया।

सुरक्षा का दिलाया भरोसा

इसके बाद निशा और अखिलेश ने रेलवे ट्रैक के पास स्थित काली माता मंदिर प्रांगण में विधि-विधान से विवाह कर लिया। मौजूद लोगों ने उन्हें सुखी जीवन का आशीर्वाद दिया। साथ ही सुरक्षा का भरोसा दिलाया। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास हिंदू, प्रदीप, निर्भय, विवेक व शुभम आदि मौजूद रहे।

दो बंदरों के शवों को फूल माला पहनकर सम्मान पूर्वक अंतिम कराया संस्कार

रेउसा/सीतापुर। बुधवार बिसवां रोड पर नारायण हेल्थ केयर के समाने अज्ञात वाहन की टक्कर से दो बंदरों की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों ने रेउसा हनुमंत तिवारी के को सूचना दी थानाध्यक्ष के दिशा निर्देशन पर पुलिस विभाग से कनेस्टेबल राम बहादुर पटेल और पीआरडी कमांडर सरवन कुमार द्वारा शवों को फूल माला पहनकर सम्मान पूर्वक अंतिम संस्कार करवाया। बेजुबानों लावारिश पड़े शवों का सम्मान पूर्वक अंतिम संस्कार करवाने वाले थानाध्यक्ष हनुमंत तिवारी और पुलिस विभाग के कर्मचारियों की लोग प्रशंसा की मौके पर मौजूद टी एन मिश्रा ने कहा की थानाध्यक्ष के निर्देश पर पुलिस के जवानों ने अति पुनीत पावन कार्य किया है इसके लिए रेउसा पुलिस बधाई के पात्र है श्री मिश्रा ने कहा की रेउसा पुलिस मनुष्यों के साथ साथ बेजुबान जनावरो के के प्रति भी ऐसा भाव रखते है।

यूपी उपचुनाव : सीएम योगी आदित्यनाथ छठ पूजा बाद झोंकेंगे ताकत, 8 नवंबर से ताबड़तोड़ रैलियां

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झारखंड और महाराष्ट्र से चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत कर दी है। वह बुधवार को महाराष्ट्र में तीन चुनावी सभाएं करेंगे। वहीं, यूपी उपचुनाव में छठ पूजा के बाद भाजपा अपनी ताकत झोंकेगी। आठ नवंबर से योगी समेत भाजपा के दिग्गज चुनावी सभाएं करेंगे।

योगी झारखंड के बाद अपने चुनावी दौरे के दूसरे दिन बुधवार को महाराष्ट्र में रहेंगे। यहां पर वह वाशिम विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशी रामचरण खोड़े के समर्थन में चुनावी सभा करेंगे। दूसरी सभा तिवसा में प्रत्याशी राजेश श्रीराम वानखेड़े के लिए होगी। योगी की तीसरी सभा अकोला जिले में होगी। यहां वह मूर्तिजापुर प्रत्याशी हरीश मारोटिअप्पा पिम्पले के लिए वोट मांगेंगे।

पश्चिमी यूपी से शुरुआत करेंगे योगी

यूपी विधानसभा उपचुनाव में योगी पश्चिमी यूपी से प्रचार शुरू करेंगे। उनकी सभाएं आठ नवंबर से संभावित हैं। वह सभी सीटों पर आठ, नौ और 11 नवंबर को नौ जनसभाएं करेंगे। आठ नवंबर को गाजियाबाद, कुंदरकी और मीरापुर में उनकी सभा प्रस्तावित है। नौ नवंबर को सीसामऊ, करहल और खैर में जनसभा होगी। 11 नवंबर को कटेहरी, फूलपुर और मझवां में जनसभाएं करेंगे। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी जनसभाएं करेंगे।

प्रभारी मंत्री करेंगे प्रवास

भाजपा के प्रभारी मंत्रियों को अपने प्रभार वाले जिलों में प्रवास करने के निर्देश दिए गए हैं। फूलपुर में मंत्री राकेश सचान और दया शंकर सिंह, कटेहरी में स्वतंत्र देव, संजय निषाद, दयाशंकर मिश्र, कुंदरकी में जेपीएस राठौर, जसवंत सैनी और गुलाब देवी, गाजियाबाद में सुनील शर्मा, ब्रजेश सिंह, कपिल देव अग्रवाल, खैर में लक्ष्मी नारायण चौधरी, करहल में जयवीर सिंह, योगेंद्र उपाध्याय, अजीत पाल, सीसामऊ में मंत्री सुरेश खन्ना, नितिन अग्रवाल चुनाव प्रचार करेंगे। सीसामऊ में अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों की भी तैनाती की गई है। मझवां में अनिल राजभर, आशीष पटेल, रवींद्र जायसवाल, मीरापुर में अनिल कुमार, सोमेंद्र तोमर, केपी मलिक प्रचार करेंगे।

राम जानकी शिव मंदिर से अष्टधातु की मूर्तियां चोरी, भड़के लोगों ने जाम लगाकर प्रदर्शन किया शुरू

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बलरामपुर। बलरामपुर के ललिया थाना क्षेत्र के मथुरा बाजार स्थित राम जानकी शिव मंदिर में अष्टधातु की राम, जानकी व लक्ष्मण की प्रतिमा के साथ ही लड्डू गोपाल की मूर्ति मंगलवार की रात चोरी हो गई। इसके बाद भड़के लोगों ने खुलासे की मांग को लेकर बुधवार को मथुरा बाजार में दुकानें बंद कर जाम लगाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस ने समझा बुझाकर मामला शांत कराया।

मंदिर के संरक्षक बीरबल उर्फ हरिराम कसौंधन ने बताया कि मंगलवार की रात करीब 10 बजे के बीच सैकड़ों साल पुराने मंदिर में राम, जानकी, लक्ष्मण की अष्टधातु की मूर्ति व लड्डू गोपाल की प्रतिमा चोरी हो गई। बताया कि उनका बेटा आशीष जब रात में मंदिर का ताला बंद करने पहुंचा तो देखा कि मंदिर से मूर्ति गायब थी। पुलिस को सूचना दी गई। रात में ही पुलिस अफसरों ने पहुंचकर जानकारी ली।

बुधवार की सुबह बाजार में मूर्ति चोरी की जानकारी अन्य लोगों को हुई। इसके बाद व्यापारियों ने दुकानें बंद कर सड़क पर जाम लगाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। व्यापारी चोरी की गई मूर्ति की बरामदगी की मांग कर रहे थे बाद में पुलिस अफसरों ने पहुंचकर आक्रोशित लोगों को समझा बुझाकर शांत कराया।

पत्रकारों को नंगा करके मारा, फिर पेशाब पिलाया...हमीरपुर में तालिबानी कांड करके नेताजी फरार, गुर्गे गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में मीडियाकर्मियों को नंगाकर पीटने और पेशाब पिलाने का मामला अब यहां गर्मा गया है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सरकार पर बड़ी टिप्पणी की तो यहां पुलिस ने घटना में शामिल भाजपा नेता और नगर पंचायत चेयरमैन समेत अन्य फरार आरोपियों की तलाश के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। इधर अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज और मीडिया कर्मी भी इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना को लेकर सड़कों पर आ गया है। आज कलेक्ट्रेट परिसर में दिन भर धरना प्रदर्शन कर लोग नारेबाजी करते रहे।

उल्लेखनीय है कि एक हफ्ते पूर्व हमीरपुर जिले के सरीला कस्बे के क्षेत्रीय पत्रकार अमित द्विवेदी और शैलेन्द्र मिश्रा को नगर पंचायत के चेयरमैन पवन कुमार अनुरागी ने गंगा प्रसाद, अखिलेश राजपूत, विक्रम

यादव, नरेन्द्र विश्वकर्मा, आर.के. सोनी, आकाश अनुरागी समेत 8 लोगों के साथ किसी के घर में बंधक बना लिया था।

दोनों पत्रकारों को 3 घंटे तक नंगा करके पीटा गया था। इतना ही नहीं आरोपियों ने पत्रकारों को तालिबानी सजा देते हुए पत्रकारों को पेशाब तक पिलाई थी। इस घटना को सोशल मीडिया में कई वीडियो वायरल हुए तो मीडिया कर्मियों में आक्रोश गहरा गया। पीड़ित पत्रकारों की तहरीर पर जरिया थाने में चेयरमैन समेत आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा लिखा गया।

कार्रवाई न होने पर पीड़ित पत्रकारों ने डीजीपी और मानवाधिकार आयोग के अलावा डिप्टी सीएम बृजेश पाठक से न्याय की गुहार लगाई थी। मामला शासन स्तर तक पहुंचने के बाद पुलिस ने घटना में शामिल आरके सोनी समेत 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि चेयरमैन समेत अन्य फरार आरोपियों की तलाश के लिए छापेमारी भी शुरू कर दी है।

ब्राह्मण समाज ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए धरना दिया है। बता दें कि ब्राह्मण पत्रकारों को नंगा कर पीटने की घटना को लेकर अखिलेश यादव ने भी सोशल मीडिया में सरकार पर बड़ी टिप्पणी की है। विपक्ष के कानून व्यवस्था पर सवाल करने पर यहां अब पुलिस ऐक्शन मोड में आ गई है।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा सड़कों पर उतरा

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा ने ब्राह्मण पत्रकारों को नंगा कर पीटने और पेशाब पिलाने की घटना की तीखी निंदा करते हुए आज सड़कों पर प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट परिसर में धरना देकर प्रशासन को ज्ञापन देकर घटना को अंजाम देने वालों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। महासभा के तत्वाधान में सैकड़ों की संख्या में लोगों ने नारेबाजी करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मीडिया कर्मियों ने भी कलेक्ट्रेट में दिया धरनापत्रकार महासंघ के तत्वाधान में मीडिया कर्मियों ने सड़कों पर प्रदर्शन किया। सैकड़ों मीडिया कर्मी कलेक्ट्रेट के गोल चबूतरे में धरने पर बैठ गए। आज देर शाम डीएम घनश्याम मीना धरने पर बैठे पत्रकार और मीडिया कर्मियों से मिले। मीडियाकर्मियों के ज्ञापन पर कार्रवाई करने का आश्वासन देकर धरना समाप्त कराया। धरने में जितेन्द्र पांडेय, शशिकांत, असद खान, श्रीप्रकाश शुक्ला, उमाशंकर, सैय्यद उस्मान समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

स्कृत भाषा के प्रति जागरुक हो रहे छात्र

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान से संचालित गृहे गृहे संस्कृतम् योजना के अंतर्गत नवम्बर मासीय बारह दिवसीय संस्कृत शिक्षण शिविर केंद्रों का उद्घाटन आभाषिक पटल पर सम्पन्न हुआ। यह प्रशिक्षण 29 नवम्बर तक चलेगा। जिसमें प्रदेश के विभिन्न जनपदों में 48 प्रशिक्षक सरल संस्कृत भाषा शिक्षण कक्षा का संचालन करेंगे। निदेशक विनय श्रीवास्तव ने कहा कि गृहे-गृहे संस्कृतम् योजना के द्वारा संस्कृत भाषा के प्रति बच्चे जागरुक हो रहे हैं। प्राथमिक पाठशाला से लेकर इन्टर कॉलेज तक छात्र एवं छात्राएं उत्साह पूर्वक संस्कृत भाषा का अध्ययन कर रहे हैं। उन्होने बताया कि यह योजना छात्रों को संस्कृत पढ़ने के लिए प्रेरणादायी तथा संस्कृत भाषा में व्यवहारिकता प्रदान करने में कारगर सिद्ध हो रही है। संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी जगदानंद झा ने कहा कि उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान की गृहे गृहे संस्कृतम् योजना एक विशिष्ट योजना है।

संस्कृत भाषा के प्रति जागरुक हो रहे छात्र

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान से संचालित गृहे गृहे संस्कृतम् योजना के अंतर्गत नवम्बर मासीय बारह दिवसीय संस्कृत शिक्षण शिविर केंद्रों का उद्घाटन आभाषिक पटल पर सम्पन्न हुआ। यह प्रशिक्षण 29 नवम्बर तक चलेगा। जिसमें प्रदेश के विभिन्न जनपदों में 48 प्रशिक्षक सरल संस्कृत भाषा शिक्षण कक्षा का संचालन करेंगे।

निदेशक विनय श्रीवास्तव ने कहा कि गृहे-गृहे संस्कृतम् योजना के द्वारा संस्कृत भाषा के प्रति बच्चे जागरुक हो रहे हैं। प्राथमिक पाठशाला से लेकर इन्टर कॉलेज तक छात्र एवं छात्राएं उत्साह पूर्वक संस्कृत भाषा का अध्ययन कर रहे हैं। उन्होने बताया कि यह योजना छात्रों को संस्कृत पढ़ने के लिए प्रेरणादायी तथा संस्कृत भाषा में व्यवहारिकता प्रदान करने में कारगर सिद्ध हो रही है। संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी जगदानंद झा ने कहा कि उत्तर प्रदेश

संस्कृत संस्थान की गृहे गृहे संस्कृतम् योजना एक विशिष्ट योजना है। जिसके द्वारा जनपद ही नही ग्रामीण स्तर पर संचालित होकर पूरे प्रदेश में संस्कृत का प्रचार प्रसार हो रहा है। सरल सस्कृत भाषा का प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरान्त सतत अभ्यास अपेक्षित है। जिससे व्यवहारिक रूप से संस्कृत भाषा का परिमार्जन होता रहे। योजना प्रमुख भगवान सिंह चौहान ने कहा कि यह संस्थान की महत्वपूर्ण और महत्वाकांक्षी योजना है। जिसके ध्वजवाहक सभी प्रशिक्षकगण हैं। संस्कृत भाषा संस्कृति के प्रति नवचेतना का संचार करती है। ऑनलाइन समन्वयक दिव्यरंजन ने योजना का विषयोपस्थापन किया। उन्होने कहा कि इस योजना से संस्कृत को सीखे ही नहीं अपितु इसे आचरण में लाने की महती आवश्यकता है। भारत की संस्कृति की सार्थकता संस्कृत भाषा में ही नीहित है। प्रशिक्षण प्रमुख श्री धीरज मैठानी समागत अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार के लिए यह एक महनीय कार्य है। प्रदेश समन्वयक डॉ अनिल गौतम ने समागतों का स्वागत करते प्रस्ताविक का उपस्थापन किया। कहा कि संस्कृत भाषा भारतीयो के लिए संस्कृतिः और संस्कार का समन्वित रूप है जो जीवन को सुसभ्य बनाती है। उद्घाटन सत्र में दिनेश मिश्र, महेन्द्र पाठक, नितेश श्रीवास्तव, पूनम मिश्रा, ऋषभ पाठक, शान्तनु मिश्र, शिवम गुप्ता, राधा शर्मा आदि मोजूद रहे। संचालन आनलाइन समन्वयक महेन्द्र मिश्र ने किया। कार्यक्रम का आरम्भ लौकिक मंगलाचरण से हुआ। जिसका वाचन प्रशिक्षिका नीतू सक्सेना ने किया।

रालोद का अनिश्चित कालीन धरना हुआ समाप्त

सीतापुर। रालोद प्रदेश महासचिव आर पी सिंह चौहान के नेतृत्व में कमलापुर साधन सहकारी समिति पर डी ए पी की मांग को लेकर किए जा रहे धरने के दूसरे दिन सहायक निबंधक साधन सहकारी समितियां नवीन शुक्ला एन पी के उर्वरक को ट्रक में लेकर धरना स्थल पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने धरने पर बैठे रालोद नेता आर पी सिंह चौहान भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रशक्ति के प्रदेश अध्यक्ष मनीष त्रिपाठी और भारतीय किसान मजदूर संगठन के जिलाध्यक्ष और राष्ट्रीय प्रवक्ता धीरज सिंह धीरू की इफको के क्षेत्रीय प्रबंधक शिव शुक्ला से फोन पर बात कराई जिसमें शिव शुक्ला ने बताया कि डी ए में नाइट्रोजन और फास्फोरस मात्र दो तत्व होते हैं जबकि एन पी के 12:32:16 में नाइट्रोजन फॉस्फोरस और पोटास कुल मिलाकर तीन तत्व होते हैं और यह संपूर्ण उर्वरक है जो कि डी ए पी की अपेक्षा बेहतर काम करती है।

संस्कृत भाषा के प्रति जागरुक हो रहे छात्र

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान से संचालित गृहे गृहे संस्कृतम् योजना के अंतर्गत नवम्बर मासीय बारह दिवसीय संस्कृत शिक्षण शिविर केंद्रों का उद्घाटन आभाषिक पटल पर सम्पन्न हुआ। यह प्रशिक्षण 29 नवम्बर तक चलेगा। जिसमें प्रदेश के विभिन्न जनपदों में 48 प्रशिक्षक सरल संस्कृत भाषा शिक्षण कक्षा का संचालन करेंगे।

निदेशक विनय श्रीवास्तव ने कहा कि गृहे-गृहे संस्कृतम् योजना के द्वारा संस्कृत भाषा के प्रति बच्चे जागरुक हो रहे हैं। प्राथमिक पाठशाला से लेकर इन्टर कॉलेज तक छात्र एवं छात्राएं उत्साह पूर्वक संस्कृत भाषा का अध्ययन कर रहे हैं। उन्होने बताया कि यह योजना छात्रों को संस्कृत पढ़ने के लिए प्रेरणादायी तथा संस्कृत भाषा में व्यवहारिकता प्रदान करने में कारगर सिद्ध हो रही है। संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी जगदानंद झा ने कहा कि उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान की गृहे गृहे संस्कृतम् योजना एक विशिष्ट योजना है। जिसके द्वारा जनपद ही नही ग्रामीण स्तर पर संचालित होकर पूरे प्रदेश में संस्कृत का प्रचार प्रसार हो रहा है। सरल सस्कृत भाषा का प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरान्त सतत अभ्यास अपेक्षित है। जिससे व्यवहारिक रूप से संस्कृत भाषा का परिमार्जन होता रहे। योजना प्रमुख भगवान सिंह चौहान ने कहा कि यह संस्थान की महत्वपूर्ण और महत्वाकांक्षी योजना है। जिसके ध्वजवाहक सभी प्रशिक्षकगण हैं। संस्कृत भाषा संस्कृति के प्रति नवचेतना का संचार करती है। ऑनलाइन समन्वयक दिव्यरंजन ने योजना का विषयोपस्थापन किया। उन्होने कहा कि इस योजना से संस्कृत को सीखे ही नहीं अपितु इसे आचरण में लाने की महती आवश्यकता है। भारत की संस्कृति की सार्थकता संस्कृत भाषा में ही नीहित है। प्रशिक्षण प्रमुख श्री धीरज मैठानी समागत अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार के लिए यह एक महनीय कार्य है। प्रदेश समन्वयक डॉ अनिल गौतम ने समागतों का स्वागत करते प्रस्ताविक का उपस्थापन किया। कहा कि संस्कृत भाषा भारतीयो के लिए संस्कृतिः और संस्कार का समन्वित रूप है जो जीवन को सुसभ्य बनाती है। z Jउद्घाटन सत्र में दिनेश मिश्र, महेन्द्र पाठक, नितेश श्रीवास्तव, पूनम मिश्रा, ऋषभ पाठक, शान्तनु मिश्र, शिवम गुप्ता, राधा शर्मा आदि मोजूद रहे। संचालन आनलाइन समन्वयक महेन्द्र मिश्र ने किया। कार्यक्रम का आरम्भ लौकिक मंगलाचरण से हुआ। जिसका वाचन प्रशिक्षिका नीतू सक्सेना ने किया। संस्थान गीतिका शिक्षिका अनुपमा मिश्रा ने प्रस्तुत किया। प्रशिक्षिका शिवा यादव ने शान्ति मंन्त्र के द्वारा कार्यक्रम का समापन किया। इस मौके पर प्राथमिक विद्यालय छेछरिहा खुर्द. के प्रधानाध्यापक.महेंद्र सिंह सहित छात्र, छात्राएं मौजूद रहे।

ओपी राजभर के फ्लैट से लाखों की चोरी, बेटे का चालक गिरफ्तार, दो सितंबर की घटना की अब एफआईआर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मंत्री ओपी राजभर के डायमंड अपार्टमेंट पुराना किला सदर स्थित फ्लैट से लाखों की चोरी हो गई। दो सितंबर की घटना की रिपोर्ट हुसैनगंज कोतवाली में मंगलवार को दर्ज की गई। यह भी तब हुआ जब मंत्री के बेटे अरविंद राजभर के चालक को चोरी के माल के साथ अंबेडकर नगर से पकड़ा गया। इस पूरे मामले में लखनऊ और अंबेडकर नगर की पुलिस कुछ भी बोलने से कतरा रही हैं।

मूलरूप से बलिया निवासी संजय राजभर की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। संजय का कहना है कि वह 10 वर्षों से अरविंद राजभर के यहां चालक की नौकरी कर रहे हैं। उन्होंने मेदांता अस्पताल में मुंह के कैंसर का ऑपरेशन कराया था। छुट्टी के बाद वह पत्नी संग मंत्री के फ्लैट पर वापस आ गए थे और इलाज करवा रहे थे।

संजय के मुताबिक दो सितंबर को सुबह नौ बजे मंत्री के यहां काम करने वाला एक अन्य चालक अंबेडकर नगर में जगदीशपुर के ग्राम मोहिउद्दीनपुर निवासी रामजीत राजभर डायमंड अपार्टमेंट आया था। आरोप है कि रामजीत ने पूछा था कि वह फ्लैट में कब तक रुकेगा। संजय ने बताया था कि वह इलाज के लिए जा रहे हैं और शाम तक आ आएंगे। रात में 09:56 बजे रामजीत ने फोन कर फ्लैट की चाबी के बारे में पूछा था। संजय का कहना है कि जब वह फ्लैट पर लौटे तो सारा सामान बिखरा था।

सोशल मीडिया पर मंत्री ओपी राजभर के घर से करोड़ों की नकदी चोरी की खबर मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। इसके बाद मंत्री के बेटे अरविंद राजभर ने वीडियो बयान जारी कर इसका खंडन किया। कहा कि, उनके एक चालक संजय राजभर के जेवर व नकदी चोरी हुई है। उधर, लखनऊ पुलिस की सूचना पर टांडा कोतवाली पुलिस ने आरोपी रामजीत को उसके घर से मंगलवार को हिरासत में ले लिया। लखनऊ पुलिस अंबेडकर नगर के लिए रवाना हो गई है। रामजीत की पत्नी गीता ने कहा कि मंत्री ओमप्रकाश की कार से सुबह कुछ लोग आए। इसके बाद रामजीत को पीटने लगे। आरोप है कि उनके साथ पुलिस भी थी। वे रामजीत को जबरन साथ ले गए। उनके साथ कुछ महिलाएं भी आई थीं, जो जबरन गीता व उनकी बेटियों को भी ले जाने पर आमादा थीं।

आरोपी के पास से कितनी रकम बरामद की गई है, इसको लेकर पुलिस कुछ भी नहीं बोल रही है।

कैंसर के इलाज के लिए इकट्ठा की थी रकम

संजय का कहना है कि कमरे से उनके बैग में रखे 2.75 लाख रुपये, पत्नी की सोने की चेन, दो अंगूठी गायब थी। पीड़ित ने रामजीत को फोन मिलाया तो उसका नंबर बंद मिला। पीड़ित ने इसकी सूचना पुलिस को दी। तहरीर भी दी गई थी, लेकिन तब रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई। पीड़ित ने रामजीत के साथी धानीगांव, महाराजगंज निवासी गोरख साहनी से संपर्क किया तो उसने रकम और जेवर दिलाने का आश्वासन दिया, लेकिन बाद में उसने भी फोन बंद कर लिया। पीड़ित की तहरीर पर अब रामजीत और गोरख के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई। गोरख खाना बनाने का काम करता है।

वापसी के लिए भी ट्रेनों में मारामारी शुरू, शौचालय के आसपास फर्श पर बैठे यात्री, अब तो बस एक ही सहारा!

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। छठ पर्व शुरू हो गया है, लेकिन ट्रेनों में भीड़भाड़ अब भी काफी अधिक है। आलम यह है कि यात्रियों को आरक्षित सीटें मिल नहीं पा रही हैं और यही वजह है कि उन्हें जनरल बोगी में जैसे-तैसे यात्रा करनी पड़ रही है। वहीं, अब छठ के बाद वापसी के लिए भी सीटों की मारामारी शुरू हो गई है।

अगर भीड़ की बात की जाए तो ज्यादातर ट्रेनों के आरक्षित कोचों में प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों का ही कब्जा जमाए हैं। स्लीपर बोगियों में आरक्षण कराने वालों को ही सबसे ज्यादा समस्या भी झेलनी पड़ रही है। इसकी शिकायतें भी लगातार आ रही हैं, लेकिन व्यवस्था में सुधार नहीं हो पा रहा है। कुछ ट्रेनों की बोगियों में तो लोग शौचालय के आसपास भी फर्श भी बैठे दिख रहे हैं।

उधर, छठ के बाद वापसी के लिए भी लोग सीटों को आरक्षित कराने के प्रयास में जुटे हैं, लेकिन सफलता नहीं मिल पा रही। तेलीबाग के शिवकुमार बताते हैं कि समय पर टिकट नहीं करा पाए और अब मुंबई जाने वाली ट्रेनों में टिकट ही नहीं बन पा रहे। वह कहते हैं कि अब तत्काल का ही सहारा रह गया है। स्टेशन होकर चलने वाली छह ट्रेनें मंगलवार को अपने निर्धारित समय से विलंब से गईं। रिजर्वेशन बुकिंग सुपरवाइजर रमेश कुमार ने बताया कि 04497 बलिया से आनंद विहार जाने वाली स्पेशल ट्रेन अपने निर्धारित समय से पांच घंटा छह मिनट,13006 अमृतसर से हावड़ा मेल 41 मिनट विलंब, 12355 पटना से तम्मूतवी अर्चना एक्सप्रेस 42 मिनट, 15076 टनकपुर से शक्तिनगर त्रिवेणी एक्सप्रेस एक घंटा, 04060 आनंद विहार से जयनगर स्पेशल एक घंटा 39 मिनट देरी से गई हैं। साथ ही 15127 बनारस से दिल्ली जाने वाली विश्वनाथ, 15128 दिल्ली से बनारस जाने वाली काशी विश्वनाथ अपने अपने स्टेशन से न चलने पर कई घंटे विलंब से बताई जा रही हैं।

जुर्माना लगाने वाली सरकार पर ही कोर्ट ने लगाया जुर्माना...अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर कसा तंज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सड़क चौड़ीकरण के लिए घरों को अवैध रूप से गिराने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार के अधिकारियों को फटकार लगाई और 25 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। इस पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश की योगी सरकार पर तंज कसा है।

उन्होंने सोशल मीडिया साइट पर कहा कि जुर्माना लगानेवाली सरकार पर ही कोर्ट जुर्माना लगा रहा है। भाजपा राज में उत्तर प्रदेश में फैली अराजकता का कोई और सबूत चाहिए क्या। अब क्या भाजपा सरकार खुद पर बुलडोजर चलवाएगी।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों की कार्रवाई को बेहद कठोर करार दिया और गैरकानूनी भी बताया। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को निर्देश दिया कि जिस व्यक्ति का घर ध्वस्त किया गया है, उसे 25 लाख रुपये का दंडात्मक मुआवजा दिया जाए। साथ ही उच्चतम न्यायालय ने राज्य के मुख्य सचिव को घरों की अवैध तोड़फोड़ के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया है।

साल 2019 में उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले में सड़क चौड़ीकरण के लिए अधिकारियों ने एक मकान को अवैध तरीके से ध्वस्त कर दिया था। अब अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने इसे अधिकारियों का अत्याचारी रवैया बताया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने टिप्पणी की, 'आप बुलडोजर लेकर रातोंरात मकान नहीं गिरा सकते।' अदालत ने यूपी के मुख्य सचिव को मामले की जांच करने का निर्देश दिया है।

वित्त मंत्री ने लक्ष्मण मेला घाट पर तैयारियों का किया निरीक्षण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा जनपद लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने छठ महापर्व के आयोजन को देखते हुए बुधवार को लक्ष्मण मेला मैदान घाट पर तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं के सुगम प्रवेश एवं निकास के लिए पर्याप्त व्यवस्था की जाए। वैकल्पिक प्रवेश एवं निकास द्वारों की भी व्यवस्था रखी जाए।

खन्ना ने छठ महापर्व पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई देते हुए सभी उपासकों से स्वच्छ, सुरक्षित, जीरो वेस्ट, प्लास्टिक मुक्त पर्व मनाने एवं गोमती नदी को प्रदूषण मुक्त बनाए रखने में सहयोग हेतु अपील की।

उन्होंने छठ पूजा को लेकर घाटों व मार्गों में की जा रही व्यवस्थाओं, सुंदरीकरण, घाटों की मरम्मत, साफ सफाई, प्रकाश व सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को छठ घाटों पर सभी व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद करने हेतु जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भी श्रद्धालुओं को कोई भी परेशानी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु अपनी मुरादें पूरी करने के लिए सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर पूर्ण श्रद्धा और आस्था के साथ यह त्योहार मनाते हैं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि घाटों पर साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था हो। सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न हो, कूड़ा-कचरा इधर-उधर न फैले, इसके लिए घाटों पर डस्टबिन रखवाए जाएं। पूजा सामग्री नदी में प्रवाहित न हो, इसके लिए लोगों को जागरूक किया जाए। नगर के लोग छठ पर्व को दिव्य और भव्य रूप से मनाएं, इसके लिए घाटों का सुंदरीकरण कराए जाए, जिससे श्रद्धालुओं को पूर्ण शांति व खुशी का एहसास हो। गहरे पानी में जाने से बचने के लिए नदी में बैरिकेडिंग की जाए। साथ ही किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए जल पुलिस और गोताखोर भी तैनात किए जाएं।

सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि छठ घाटों और मार्गों में पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था कराई जाए। सभी छठ सफाई कर्मी, मशीनों, कार्मिकों व अधिकारियों की तैनाती रहे, सभी अपनी जिम्मेदारी को मुस्तैदी के साथ करें। श्रद्धालुओं के लिए घाटों पर शुद्ध पेयजल की आपूर्ति हेतु टैंकरों की व्यवस्था रहे। घाटों में गंदगी न हो, मोबाइल टॉयलेट की पर्याप्त व्यवस्था रहे। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। निरीक्षण के दौरान भोजपुरी समाज के प्रभुनाथ राय, अपर नगर आयुक्त,मुख्य अभियंता एवं नगर निगम के अधिकारी तथा अन्य मौजूद रहे।

लखनऊ में डेंगू के 45 नये मरीज मिलें

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ डेंगू के 45 नये मरीज मिलें । जिसमें बुधवार अलीगंज-8, सरोजनीनगर-2, चन्दरनगर-7, टूडियागंज-3, गोसाईगंज-2, सिल्वर जुबली-6, इन्दिरानगर-7, एनके रोड-3, ऐषबाग-2, बी0के0टी0-2, रेडक्रास-3) एवं मलेरिया के 02 (चन्दरनगर-1, अलीगंज-1) धनात्मक रोगी पाये गये। माह जनवरी 2024 से अब तक जनपद में डेंगू के कुल 2195 एवं मलेरिया के कुल 475 रोगी पाये गये।

लगभग 1190 घरों एवं आस-पास मच्छरजनित स्थितियों का सर्वेक्षण किया गया और कुल ''दो '' घरों में मच्छरजनित स्थितियां पाए जाने पर नोटिस जारी किया गया। नगर मलेरिया इकाई एवं जिला मलेरिया अधिकारी की टीमों द्वारा जनपद के विभिन्न स्थलो/भवनों का निरीक्षण किया गया तथा लार्वा रोधी रसायन का छिडकाव किया गया।

क्षेत्रीय जनता को घर के आस-पास पानी जमा न होने, पानी से भरे हुए बर्तन एवं टंकियों को ढंक कर रखें, हर सप्ताह कूलर के पानी को खाली करके साफ कपड़े से पोछ कर सूखा एवं साफ करने के बाद ही पुनः प्रयोग में लाने, पूरी बांह के कपड़े पहनने, बच्चों को घर से बाहर न निकलने, मच्छर रोधी क्रीम लगाने एवं मच्छरदानी में रहने तथा डेंगू एवं मच्छर जनित रोगों से बचाव हेतु "क्या करें, क्या न करें" सम्बंधित स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान की गयी।

जांच में खराब निकली स्मार्ट बिजली मीटर की गुणवत्ता, पावर कॉरपोरेशन की उच्च स्तरीय जांच में खुलासा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश भर में लग रहे प्रीपेड स्मार्ट मीटर की गुणवत्ता खराब है। इसमें लगे कई उपकरण मानक के अनुरूप नहीं है। यह खुलासा पावर कॉरपोरेशन की ओर से कराई गई उच्च स्तरीय जांच में हुआ है। कॉरपोरेशन निदेशक ने मीटर लगाने वाली तीनों कंपनियों को नोटिस जारी किया है। ऐसे में स्मार्ट मीटर लगाने का मामला फिर फंसता नजर आ रहा है। वहीं, इन कंपनियों के उपकरणों की जांच कर उन्हें मंजूरी देने वाले अभियंताओं पर भी तलवार लटक रही है।

प्रदेश में 3.45 करोड़ विद्युत उपभोक्ता है। अभी तक करीब 2.75 लाख मीटर लगाए जा चुके हैं। पिछले दिनों उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष ने इनकी गुणवत्ता पर सवाल उठाए थे। उन्होंने पांच फ़ीसदी चेक मीटर नहीं लगाने पर आपत्ति जताई थी। इस पर कॉरपोरेशन प्रबंधन ने आईटी विशेषज्ञों की कमेटी बनाकर जांच कराई तो सभी वितरण निगमों की ओर से लगाए गए मीटरों में खामियां पाई गईं।

जांच में मिलीं खामियां

मीटरों में पावर फैक्टर गलत रिकॉर्ड करने के साथ ही आरटीसी दो घंटे में ड्रिप कर रही है। इसका सीधा असर बिलिंग पर पड़ेगा। कॉरपोरेशन के निदेशक वाणिज्य निधि कुमार नारंग ने मीटर लगाने वाली कंपनी जीएमआर, इंटली स्मार्ट और पोलरिस के सीईओ को नोटिस जारी किया है। कंपनियों का जवाब मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी। परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि मीटरों की गुणवत्ता को लेकर जीटीपी अनुमोदन के समय ही आपत्ति की गई थी। प्रदेश में करीब 90 फीसदी कार्य यही तीनों कंपनियां कर रही हैं। इनमें चीन के कॉम्पोनेंट हैं। अब कॉरपोरेशन को इन कंपनियों को काली सूची में डालकर धरोहर राशि जब्त करनी चाहिए। इन्हें मंजूरी देने वाले अभियंताओं पर भी कार्रवाई होनी चाहिए।

पुनरीक्षण अवधि में निर्वाचन आयोग के बिना अनुमति के स्थानान्तरण पर रोक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। 06 नवम्बर, प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2025 के आधार पर प्रदेश में उप निर्वाचन होने के दृष्टिगत 9 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों को छोड़कर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची का प्रदेश की कुल 394 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उन्होनें बताया कि निर्वाचक नामावलियों (मतदाता सूची) के पुनरीक्षण कार्य से सम्बद्ध अधिकारियों/कार्मिक को पुनरीक्षण अवधि 29 अक्टूबर 2024 से 06 जनवरी 2025 तक जिला निर्वाचन अधिकारियों, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों इत्यादि को भारत निर्वाचन आयोग की बिना अनुमति के स्थानान्तरित करने पर रोक लगी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों मे पुनरीक्षण कार्यक्रम के अनुसार मतदाताओं के दावे और अपत्तियां 28 नवम्बर तक लिया जायेगा। इस बीच 9, 10, 23 तथा 24 नवम्बर 2024 विशेष अभियान तिथियां में बी0एल0ओ0 मतदान बूथ पर सभी आवश्यक फार्मों सहित उपस्थित रहकर नागरिकों की सहायता करेगें। उन्होनें बताया कि 28 नवम्बर से 24 दिसम्बर 2024 तक दावें और आपत्तियों का निस्तारण किया जायेगा। 06 जनवरी 2025 को निर्वाचक नामावलियों (मतदाता सूची) का अन्तिम प्रकाशन कराया जायेगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने प्रदेश के समस्त नागरिकों से अपील की है।

शहरी क्षेत्र में स्वास्थ्य कार्यक्रमों को सुदृढ़ व गुणवत्तापूर्ण बनाने पर मंथन

स्वास्थ्य विभाग व द चैलेंज इनिशिएटिव-पीएसआई इंडिया के सहयोग से बैठक आयोजित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गाजियाबाद। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संयुक्त प्रयास से शहरी क्षेत्र में परिवार कल्याण समेत अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों को सुदृढ़ व गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से बुधवार को स्वास्थ्य विभाग के नेतृत्व में द चैलेंज इनिशिएटिव (टीसीआई) व पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) के सहयोग से स्थानीय एक निजी होटल में बैठक हुई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अखिलेश मोहन की अध्यक्षता में हुई बैठक में शहरी क्षेत्र में परिवार कल्याण कार्यक्रमों व अन्य स्वास्थ्य सेवाओं में निजी अस्पतालों और निजी चिकित्सकों की अहम भूमिका पर चर्चा हुई। बैठक में जनपद के 25 निजी अस्पतालों से 23 प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने भाग लिया। बैठक में प्रसूति एवं स्त्री रोग सोसायटी (फेडरेशन ऑफ़ ऑब्सटेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ़ इंडिया) गाजियाबाद की उपाध्यक्ष डॉ. मनीषा अग्रवाल, एसीएमओ (आरसीएच) डॉ. अमित विक्रम भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जनपद के नगरीय निजी क्षेत्र की हेपेटाइटिस, नियमित टीकाकरण, मातृ शिशु स्वास्थ्य की रिपोर्टिंग स्थिति और जन्म खुराक की रिपोर्टिंग साझा की और उसमें सुधार का सन्देश दिया। इसके साथ ही सभी स्वास्थ्य संकेतकों की रिपोर्ट हेल्थ मैनेजमेंट इन्फार्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) पोर्टल पर समय से साझा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक उपस्थित चिकित्सकों से कहा कि स्वास्थ्य कार्यक्रमों को और बेहतर बनाने के लिए निजी सेवा प्रदाताओं की अधिक भागीदारी की आवश्यकता है।

उन्होंने सभी को पोर्टल या सीएमओ कार्यालय में आंकड़े साझा करते समय एक बार उसकी समीक्षा जरूर करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन (बास्केट ऑफ़ च्वाइस) से सम्बन्धित आईईसी सामग्री (पोस्टर-बैनर) को निजी चिकित्सालयों में निर्धारित स्तर पर प्रदर्शित किया जाए और काउंसिलिंग के दौरान उनका इस्तेमाल किया जाए। पीएसआई इंडिया की कार्यक्रम प्रबन्धक कोमल और महाप्रबन्धक निजी क्षेत्र नवीन बंसल ने प्रसव पश्चात परिवार नियोजन सेवाओं के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि निजी अस्पतालों के उच्च प्रभावी हस्तक्षेप, प्रसवोत्तर परिवार नियोजन सेवाओं से जोड़ने, क्षमता निर्माण और आंकड़ों के संग्रह पर जोर दिया जाए ताकि योजनाओं के निर्माण में उनका सही इस्तेमाल किया जा सके। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे (एनएफएचएस) चार और पांच के आंकड़ों पर तुलनात्मक चर्चा भी हुई।

इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (आरसीएच) डॉ. अमित विक्रम ने भी कहा कि स्वास्थ्य कार्यक्रमों को सही मायने में धरातल पर उतारने में निजी अस्पतालों की भागीदारी जरूरी है। स्वास्थ्य इकाई पर प्रसव पूर्व जांच के लिए आने वाली महिलाओं की काउंसिलिंग बेहतर तरीके से करने का सुझाव भी दिया। डॉ. मनीषा अग्रवाल ने निजी सेवा प्रदाताओं से कहा कि वह स्वास्थ्य विभाग की अपेक्षाओं पर शत-प्रतिशत खरा उतरने की कोशिश करें ताकि जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं को समुदाय तक आसानी से पहुँचाया जा सके। उन्होंने पीएसआई इंडिया द्वारा प्रदान की गई आईईसी सामग्री और परिवार नियोजन रिकॉर्ड रजिस्टरों की भी सराहना की और कहा कि आईईसी परामर्श उद्देश्य के लिए बहुत उपयोगी है और रजिस्टर रिकॉर्ड को केंद्रीकृत रखने के लिए उपयोगी हैं।

बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबन्धक अनुराग भारती ने स्वास्थ्य सेवाओं के संकेतकों- नियमित टीकाकरण, परिवार नियोजन सेवाओं विशेष रूप से प्रसवोत्तर और गर्भपात के बाद, मातृ स्वास्थ्य, प्रसव पूर्व जांच, एमटीपी, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, यूविन पोर्टल आदि की नियमित रिपोर्टिंग की सलाह दी। एचएमआईएस की रिपोर्टिंग स्थिति को भी साझा किया। बैठक में एचएमआईएस ऑपरेटर, मातृ सलाहकार, सहायक शोध अधिकारी, सीएमओ कार्यालय के कर्मचारी आदि भी उपस्थित रहे।

अपने ही जलाये चिराग को बुझाकर जा रहे हैं चन्द्रचूड़

जब सीजेआई चन्द्रचूड़ ने सरकार की आलोचना को लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये अच्छा बताया, जन आंदोलनों को लोकतांत्रिक अधिकार बताया तथा वे नागरिक अधिकारों के पक्ष में खड़े दिखाई दिये, तो उन्होंने मानों घुप अंधेरे में एक चिराग रोशन किया था। लोगों को लगने लगा था कि ऐसे न्यायाधीश से सरकार की मनमानी रूकेगी, मानवाधिकार बहाल होंगे और नागरिक उनके अधिकारों से पुनः सुसज्जित होंगे। भारत के सर्वोच्च न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के कामकाज का यह अंतिम सप्ताह है। देश के 50वें चीफ जस्टिस के रूप में काम करने के बाद वे आने वाले सप्ताह के अंतिम दिन यानी रविवार, 10 नवम्बर को सेवानिवृत्त हो जायेंगे। 11 नवम्बर, 1959 को जन्मे सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ पहले बाम्बे हाईकोर्ट में जस्टिस रहे। इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बनने के बाद वे सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। देश में नागरिक अधिकारों की सर्वोच्च कस्टोडियन कही जाने वाली इस न्यायिक संस्था के मुखिया का पद उन्होंने 8 नवम्बर, 2022 को सम्हाला था। जिस दौरान वे इस कुर्सी पर बैठे थे, वह एक तरह से अंधेरे का समय था। दो चुनाव जीतकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिस प्रकार से निरंकुश बन बैठे थे, उसके कारण देश की संवैधानिक संस्थाएं कमजोर हो चुकी थीं, विपक्ष लुंज-पुंज की अवस्था से वापिस खड़ा होने की कोशिश कर रहा था, अल्पसंख्यकों की इमारतों तथा नागरिक अधिकारों पर बुलडोज़र चल रहे थे। फिलहाल मोदी जो तोड़ बहुत कमजोर पड़े हैं वह न्यायपालिका के कारण नहीं वरन नागरिकों के कारण है। सीजेआई चन्द्रचूड़ को कार्यकाल को किस प्रकार से याद किया जायेगा, इस पर विचार किये जाने का यह सटीक वक्त है।

उनके पिता जस्टिस वाईवी चंद्रचूड़ भी 28 अगस्त 1972 को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बने थे जिन्होंने न्यायपालिका के इतिहास में सबसे लम्बी अवधि तक इस पद पर बने रहने का इतिहास बनाया है- 7 साल 4 माह का। वे अपने निर्भीक फैसलों एवं जनपक्षीय न्यायदान के लिये जाने जाते थे। इसलिये जब उनके पुत्र डीवाई ने यह पद सम्हाला तो उनसे आशाएं होनी स्वाभाविक थीं क्योंकि वे निष्पक्षता व निर्भीकता की एक चमकदार पारिवारिक विरासत लेकर आये थे। वैसे तो बगैर डरे और पक्षपात विहीन न्याय की विरासत खुद न्यायपालिका में उपलब्ध है परन्तु मोदी-काल में जिस प्रकार से न्यायपालिका का व्यवहार रहा है, उसके कारण सीजेआई चंद्रचूड़ से स्वतंत्र न्याय की अपेक्षा के लिये लोग संस्था की बजाये उनके परिवार की ओर देखने लगे थे और याद करते थे। वे जब इस पद पर बैठे तो कई न्यायाधीश, यहां तक कि एक पूर्व चीफ जस्टिस भी लोगों को निराश कर चुके थे। पद छोड़ने के बाद किसी के लिये राज्यसभा में कुर्सी लगने लगी तो किसी को राजभवन की आरामदेह जिंदगी नसीब हुई। एक तो ऐसे भी निकले जिन्होंने त्यागपत्र देकर भारतीय जनता पार्टी से लोकसभा का चुनाव तक लड़ लिया और संसद पहुंचे।

ऐसे सारे पूर्व 'मी लॉर्ड्स' ने निःसंदेह अपने पेशे को कलंकित किया क्योंकि उनकी कलम से ऐसे फैसले निकले थे जो सरकार से बढ़कर सत्ताधारी दल यानी भाजपा के लिये लाभकारी साबित हुए थे। यहां तक कि कुछ ऐसे निर्णय भी थे जो उस संविधान की धज्जियां उड़ाने के लिये भी जाने गये जिसकी रक्षा का भार एवं दायित्व इन्हीं माननीयों पर था। सेवा काल के बाद जब इन न्यायाधीशों ने सरकार में कोई पद सम्हाला या राजनीति में प्रवेश किया तो लोग उनके दिये निर्णयों को फिर से उलट-पलट कर देखने लगे और इसकी जांच करते रहे कि क्या उनमें कोई ऐसा एंगल रहा था जिसने भाजपा या सरकार को लाभ दिया हो। एक जज के रूप में परन्तु भविष्य में निजी तौर फायदा लेने के लिये हुए ये फैसले अंततोगत्वा भारतीय न्याय पद्धति की विश्वसनीयता को पलीता लगा गये। हालांकि पिछले कुछ वर्षों से देशवासी ऐसे निर्णयों और न्यायाधीशों को देखने के आदी हो चुके हैं क्योंकि जब राष्ट्रपति रहे रामनाथ कोविंद ने तक बगैर ना-नुकुर के 'एक देश एक चुनाव' के लिये बनी कमेटी का अध्यक्ष बनना स्वीकार कर लिया तो न्यायाधीशों की भला क्या बिसात? वैसे न्यायपालिका के जजों के बारे में अब कहा जाने लगा है कि 'जब सांसद-राज्यपाल बनने का अवसर सामने हो तो खामख्वाह जज लोया क्यों बना जाये?' यह भी ख्याल रखा जाये कि जब डी वाय चंद्रचूड सीजेआई बने तब तक स्वीकार कर लिया गया था कि न्यायपालिका सरकार की जेब में है। उनके आने के पहले ही मोदी एवं उनके मुख्य सिपहसालार अमित शाह मनमाने ढंग से कई संविधान विरोधी या जनविरोधी कानून बगैर रूकावट के ला चुके थे। चाहे कृषि कानून हो या अनुच्छेद 370 की समाप्ति आदि, अपनी नागरिकता साबित करने के लिये कागज दिखाने पर मजबूर करने वाले कानून हों या न्याय संहिता में मनमाने बदलाव। सरकार के खिलाफ की गयी तमाम याचिकाएं न्यायपालिका में औंधे मुंह जा गिरती थी। सरकार और मोदी के खिलाफ बात करना गैरकानूनी ही नहीं एक तरह से पाप हो चला था। विरोधी दलों की सरकारें गिराई जाती रहीं तो निर्वाचित मुख्यमंत्रियों को शक्तिहीन किया गया अथवा जेलों में डाला जाता रहा।

राजनीतिक दलों के एजेंडे में नहीं है दिल्ली-एनसीआर का प्रदूषण

विडंबना देखिए कि जहां हम विकास की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं वहीं देश की 67.4 फीसदी आबादी ऐसे क्षेत्रों में रहती है जहां प्रदूषण का स्तर देश के अपने राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता मानक (40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) से भी ज्यादा है।

योगेंद्र योगी

देश में सत्ता चाहे किसी भी राजनीतिक दल की रही हो, प्रदूषण के मामले में देश की राजधानी लाचार और बीमार रही है। दिल्ली का हाल ए दिल किसी को दिखाई नहीं दिया। राजनीतिक दलों ने भीषण प्रदूषण के संकट से जूझ रही दिल्ली के करोड़ों लोगों को इस जानलेवा समस्या से निजात दिलाने के बजाए एक-दूसरे के ऊपर जिम्मेदारी का ठीकरा फोडने का काम किया है। दिल्ली को प्रदूषण मुक्त करने की दिशा में उठाए गए कदम अभी तक ऊंट के मुंह में जीरा ही साबित हुए हैं। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट भी दिल्ली के प्रदूषण के सामने सरकारों की लुंजपुंज नीति के आगे पस्त नजर आता है। दर्जनों बार चेतावनी देने के बावजूद केंद्र और दिल्ली राज्य की सरकार एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाती दिखती हैं। कहने को देश विश्व की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। विश्व स्तर पर रॉकेट सांइस सहित कई क्षेत्रों में भारत ने झंडे गाढ़े हैं, किन्तु देश की राजधानी प्रदूषण के मामले में विश्व में बदनाम है।

सुप्रीम कोर्ट ने इसी सिलसिले में सुनवाई के दौरान दिल्ली-एनसीआर में पराली जलाने से बढ़ते प्रदूषण के मामले में सुनवाई के दौरान एक बार फिर पंजाब सरकार को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि पंजाब ने पराली जलाने से रोकने में नाकाम अधिकारियों पर सीधे कार्रवाई करने की बजाय उन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। यह पहली बार नहीं है जब पराली जलाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई हो, हर साल सर्दियों के मौसम में पराली जलाने से दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी परियोजना क्षेत्र में सांस तक लेना दुभर हो जाता है। थिंक टैंक सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में दिल्ली देश का 8वां प्रदूषित शहर था, वहीं बायर्निहाट के बाद बिहार का बेगुसराय देश का दूसरा सबसे प्रदूषित शहर था। इसके बाद एनसीआर का ग्रेटर नोएडा शामिल था। दिल्ली और फरीदाबाद ही नहीं देश के कई अन्य छोटे बड़े शहरों में वायु गुणवत्ता जानलेवा बनी हुई है। देश में प्रदूषण की स्थिति किस कदर भयावह है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि भारत में पीएम 2.5 हर साल दो लाख से ज्यादा अजन्मों को गर्भ में मार रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) द्वारा वायु प्रदूषण को लेकर जो गुणवत्ता मानक तय किए हैं उनके आधार पर देखें

तो देश की सारी आबादी यानी 130 करोड़ भारतीय आज ऐसी हवा में सांस ले रहे है जो उन्हें हर पल बीमार बना रही है, जिसका सीधा असर उनकी आयु और जीवन गुणवत्ता पर पड़ रहा है।

विडंबना देखिए कि जहां हम विकास की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं वहीं देश की 67.4 फीसदी आबादी ऐसे क्षेत्रों में रहती है जहां प्रदूषण का स्तर देश के अपने राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता मानक (40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) से भी ज्यादा है। यदि हर भारतीय साफ हवा में सांस ले तो उससे जीवन के औसतन 5.3 साल बढ़ सकते हैं। इसका सबसे ज्यादा फायदा दिल्ली-एनसीआर में देखने को मिलेगा जहां रहने वाले हर इंसान की आयु में औसतन 11.9 वर्षों का इजाफा हो सकता है। स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर रिपोर्ट 2024 के अनुसार ओज़ोन संबंधी सभी मौतों में से लगभग 50 प्रतिशत भारत में दर्ज की गईं हैं, और उसके बाद चीन और बांग्लादेश आते हैं। वर्ष 2022 में अमेरिकन जर्नल ऑफ रेस्पिरेटरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन में प्रकाशित एक शोध पत्र के अनुसार, प्रशांत महासागर की तरफ कैलिफोर्निया में, पीएम 2.5 नामक वायु प्रदूषक और भीषण गर्मी दोनों के अल्पकालिक संपर्क से जान जाने का खतरा बढ़ा है। यह समस्या पहले से ही भारत में मानव स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक बनी हुई है, जहाँ पीएम 2.5 प्रदूषण ने औसत अनुमानित जीवन-काल को 5.3 वर्ष कम कर दिया है।

ब्रिटिश मेडिकल जर्नल (बीएमजे) में प्रकाशित एक नई रिसर्च के मुताबिक घरों, इमारतों से बाहर वातावरण में मौजूद वायु प्रदूषण भारत में हर साल 21.8 लाख जिंदगियों को छीन रहा है। यदि वैश्विक स्तर पर देखें तो चीन के बाद भारत दूसरा ऐसा देश है जहां वायु प्रदूषण इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जिंदगियों को लील रहा है। दुनिया भर में 2019 के दौरान सभी स्रोतों से होने वाले वायु प्रदूषण के चलते 83.4 लाख लोगों की असमय मृत्यु हो गई थी। इसके लिए प्रदूषण के महीन कण और ओजोन जैसे प्रदूषक जिम्मेवार थे। विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2020 में कहा गया है कि कोरोना वायरस के कारण लगाए गए लॉकडाउन की वजह से 2019 की तुलना में 2020 में भारत की वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ है। हालाँकि, इस रिपोर्ट में बहुत ज़्यादा उत्साहजनक बात नहीं है क्योंकि वायु गुणवत्ता में सुधार के बावजूद भारत के 22 शहर दुनिया के शीर्ष 30 सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हैं और दिल्ली एक बार फिर दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी बनी हुई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वायु प्रदूषण दुनिया भर में लोगों के लिए सबसे बड़े स्वास्थ्य खतरों में से एक है, जो हर साल लगभग 7 मिलियन असामयिक मौतों का कारण बनता है। इनमें से 600,000 मौतें बच्चों की होती हैं।

भारत में वायु प्रदूषण की वजह से प्रत्येक वित्तीय वर्ष में भारतीय व्यापार जगत को करीब 95 बिलियन अमरीकी डालर (7 लाख करोड़) का नुकसान उठाना पड़ता है, जो कि भारत की कुल जीडीपी का करीब 3 प्रतिशत है। यह नुकसान सालाना कर संग्रह के 50 प्रतिशत के बराबर है या भारत के स्वास्थ्य बजट का डेढ़ गुना है। डलबर्ग एडवाइजर्स और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की क्लीन एयर फंड की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। डलबर्ग का अनुमान है कि भारत के कामगार अपने स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण के प्रतिकूल प्रभावों के कारण प्रति वर्ष 130 करोड़ (1.3 बिलियन) कार्यदिवसों की छुट्टी लेते हैं जिसके 6 बिलियन अमरीकी डालर के राजस्व का नुकसान होता है। प्रदूषण से स्वास्थ्य और भारी आर्थिक नुकसान के बावजूद सत्तारुढ़ दलों की प्राथमिकता इसे समाप्त करना नहीं है। चुनावों के दौरान अदृश्य दिखने वाले सर्वाधिक खतरनाक इस मुद्दे पर सभी राजनीतिक दल मौन रहते हैं। किसी भी राजनतिक दल के घोषण पत्र में प्रदूषण नियंत्रण के उपायों के प्रयासों का स्थान नहीं मिलता। यदि राजनीतिक दल इसी तरह प्रदूषण के हालात की उपेक्षा करते रहे तो वे दिन दूर नहीं जब भारत विभिन्न क्षेत्रों में तरक्की के सौपान तय करने के बावजूद विश्व में पिछड़ता नजर आएगा।

ब्लॉग

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है पंजाब में नशे का जाल

ललित गर्ग

पंजाब में आतंकवाद ही नहीं, तरह-तरह के नशे एवं ड्रग्स के धंधे ने व्यापक स्तर पर अपनी पहुंच बनाई है, जिसके दुष्परिणाम समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब चुका रहा है, जिसने लंबे समय से पंजाब को जकड़ रखा है। पिछले दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 153 बड़े ऑपरेटरों सहित 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया है। पंजाब ने स्थानीय तस्करों के साथ-साथ बड़े ड्रग नेटवर्क को लक्षित करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। हाल ही में 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य नशीले पदार्थों के साथ-साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक ड्रग मनी जब्त की गई है। इन आपराधिक अभियानों की वित्तीय बुनियाद पर प्रहार करते हुए नशे के कारोबार से जुड़े लोगों की 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की गई। हालांकि, अभी पर्दे के पीछे से काम करने वाले प्रमुख तस्करों को बेनकाब करने और कानूनन दंडित करने की सख्त जरूरत है। ड्रग की तस्करी और व्यापक रूप से नशे की लत पंजाब की सबसे उल्लेखनीय घातक सामाजिक-राजनीतिक चुनौती बन चुकी है जो कई प्रकार से पूरे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनती जा रही है।

पाकिस्तान पोषित इस नशीले कारोबार की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस साल सीमा सुरक्षा बल ने पंजाब की पाकिस्तान से लगती सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए। जो वर्ष 2023 में बरामद 107 ड्रोन से कहीं अधिक हैं। पाक प्रायोजित यह तस्करी परिष्कृत एवं सुनियोजित तरीके से की जा रही है, जिसके खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। खासकर, ऐसे संवेदनशील सीमावर्ती राज्य में इस समस्या की भयावहता को देखते हुए यह आवश्यक हो जाता है कि इसके खिलाफ एक ऐसी संपूर्ण लड़ाई छेड़ी जाए जिसमें कामयाब होने में अगर कई वर्ष भी लग जाएं तो उसे जारी रखा जाए। नशे की समस्या पिछले कई वर्षों के दौरान और बद से बदतर होती गई है और पिछले पंजाब में हुए विधानसभा चुनावों में यह एक बड़ा मुद्दा था। क्योंकि शहरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से हर रोज युवाओं की मौत की खबरें हो या विधवाओं का क्रंदन समूचा देश हिला है। कितनी मांओं की गोद उजड़ गई और कितने वृद्ध पिताओं की सहारे की लाठी टूट गई। नशीले पदार्थों का धंधा सीमाओं से होते हुए देश की रग-रग में पसरता गया है।

पंजाब में बिछा ड्रग्स का जाल जनजीवन के लिये बड़ी चुनौती है। पंजाब पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं ईरान के तथाकथित गोल्डेन क्रेसेंट से तस्करी कर लाई गई नशीली दवाओं का एक पारगमन बिंदु (ट्रांजिट प्वाईंट) तथा बाजार दोनों ही है। जहां अफगानिस्तान में उत्पादित हेरोईन की भारत-पाकिस्तान की 553 किमी लंबी और अवैध घुसपैठ की संभावनाओं से युक्त सीमा से तस्करी की जाती है, अफीम, अफीम की भूसी, चरस एवं हशीश जैसी अन्य नशीली दवाएं आसपास के देशों से आती हैं। भारत एवं पाकिस्तान सीमा पर अच्छी सड़कों का अभाव भी सीमा पर लगी बाड़ के नीचे सुरंगों की खुदाई के जरिये भारी मात्रा में मादक दवाओं की खेप के हस्तांतरण के काम को आसान बना देती हैं। पंजाब पुलिस की नशे से जुड़े आतंकवदी तंत्र की जांच करने की सीमित क्षमता है, खासकर, इस समस्या का मुकाबला करने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकीय एवं वैज्ञानिक उपकरणों की उसके पास कमी है। पंजाब में राजनीति और ड्रग्स का चोली दामन का संबंध है, बड़ी राजनीतिज्ञ पार्टियों की नशा माफिया एवं नशीले पदार्थों के तस्करों के साथ काफी मिलीभगत है और यही वजह है कि पंजाब 'नशीले पदार्थों की राजनीति' के युग से गुजर रहा है। इसलिये भी यह समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है।

पंजाब में नशे की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट भी चिन्ता व्यक्त करता रहा है, अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए उसने पंजाब सरकार को फटकार भी समय-समय पर लगाई है। पूर्व में सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'पंजाब में नशे की समस्या बढ़ती जा रही है। नकली शराब और नशीले पदार्थों को रोका जाना चाहिए। ऐसे तो युवा खत्म हो जाएंगे। गरीब लोग मर रहे हैं। पंजाब में हर गली में एक भट्टी होती है। अगर कोई चाहे तो देश को खत्म कर देगा। अगर बॉर्डर क्षेत्र सुरक्षित नहीं है तो कैसे चलेगा? नशा माफिया के आगे बेबस क्यों पंजाब सरकार?' सुप्रीम कोर्ट की चिन्ता पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए वाजिब है। जिसके खिलाफ व्यापक पैमाने पर योजनाबद्ध अभियान वक्त की जरूरत है। सरकारें लंबे समय से इसके विरुद्ध कार्रवाई की बात तो करती रही हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में कम ही बदलाव नजर आया है। फिलहाल पंजाब में नशीले पदार्थों के खिलाफ जारी कार्रवाई आप सरकार की नई प्रतिबद्धता को दर्शाती है और सतही तौर पर नशे की खिलाफ सफलता के आंकड़े एक सराहनीय कार्रवाई को दर्शाते हैं, लेकिन इसके बावजूद समस्या की विकटता को देखते हुए ये आंकड़े पर्याप्त नहीं हैं। वक्त की जरूरत है कि लगातार भयावह होती स्थिति में पुलिस को इस खेल की बड़ी मछलियों को बेनकाब करके नशे के प्रवाह पर रोक लगानी चाहिए। इसके बाद बड़े नशा तस्करों के खिलाफ व्यापक स्तर का अभियान चलाना चाहिए। जिससे समाज में यह संदेश जाए कि कोई कितना भी ताकतवर व्यक्ति क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं है। साथ ही यह भी कि समाज विरोधी कार्यों में लिप्त होने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। ऐसे तत्वों को राजनीतिक संरक्षण देने वाली ताकतों को भी बेनकाब करने की जरूरत है।

पंजाब सरकार की सख्त कार्रवाई का यह संदेश नशा माफिया को जाना जरूरी है कि इस काले कारोबार से जुड़े लोगों की दंडमुक्ति संभव नहीं है। इसके अलावा सीमा पार से चलाए जा रहे नशे के कारोबार के लिये पडोसी देश को भी कड़ा संदेश जाना चाहिए। नशे की तस्करी में तमाम आधुनिक साधनों का उपयोग किया जा रहा है। हालांकि, बीएसएफ ने पहल करते हुए एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाए हैं। जिसके सार्थक परिणाम भी मिल रहे हैं। पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए सीमा सुरक्षा को फुलप्रूफ करने की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिये। जिसमें उच्च तकनीक व विभिन्न एजेंसियों में बेहतर तालमेल की जरूरत है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पूर्व में 'ड्रग्स-फ्री इंडिया' अभियान चलाने की बात कहकर इस राष्ट्र की सबसे घातक बुराई की ओर जागृति का शंखनाद किया है। उन्होंने चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे देश के युवा गुटका, चरस, गांजा, अफीम, स्मैक, शराब और भांग आदि के नशे में पड़ कर बर्बाद हो रहे हैं। इस कारण से वे आर्थिक, सामाजिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से विकलांगता की ओर अग्रसर हो रहे हैं। विशेषतः पंजाब के युवा नशे की अंधी गलियों में धंसते जा रहे हैं, वे अपनी अमूल्य देह में बीमार फेफड़े और जिगर सहित अनेक जानलेवा बीमारियां लिए एक जिन्दा लाश बने जी रहे हैं पौरुषहीन भीड़ का अंग बन कर। नशे के ग्लैमर की चकाचौंध ने चिन्ताजनक स्थितियां खड़ी कर दी है। पाकिस्तान नशे के आतंक से अपने मनसूंबों को पूरा कर रहा है। चिकित्सकीय आधार पर देखें तो अफीम, हेरोइन, चरस, कोकीन, तथा स्मैक जैसे मादक पदार्थों से व्यक्ति वास्तव में अपना मानसिक संतुलन खो बैठता है एवं पागल तथा सुप्तावस्था में हो जाता है। ये ऐसे उत्तेजना लाने वाले पदार्थ हैं, जिनकी लत के प्रभाव में व्यक्ति अपराध तक कर बैठता है। मामला सिर्फ स्वास्थ्य से नहीं अपितु अपराध से भी जुड़ा हुआ है। कहा भी गया है कि जीवन अनमोल है। नशे के सेवन से यह अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है या अपराध की अंधी गलियों में धंसता चला जाता है, पाकिस्तान युवाओं को निस्तेज करके एक नये तरीके के आतंकवाद को अंजाम दे रहा है।

अजब-गजब

खेल-खेल में चीनी लड़की ने कराया डीएनए टेस्ट, खुल गया 24 साल पुराना राज, अब समझ नहीं आ रहा क्या करें

आप सभी ने वो कहावत तो जरूर सुनी होगी कि इशारों को अगर समझो राज को राज रहने दो। ये कहावत कई मायनों में सच है। हालांकि लोग विज्ञान की तरक्की के बाद इस बात को कहां मानते हैं? लोग तो विज्ञान की शक्तियों का इस्तेमाल कर उन राजों के बारे में जानने की कोशिश करते हैं, जो उनसे छुपाया गया हो! हालांकि इस दौरान कई बार ऐसे राज देखने को मिल जाते हैं। जिसको जानने के बाद लोगों के पैरों तले जमीन खिसक जाती है। ऐसा ही एक मामला इन दिनों सामने आया है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट में छपी रिपोर्ट के मुताबिक चीन में रहने वाली एक लड़की ने मजाक-मजाक में अपना डीएनए टेस्ट करवाया क्योंकि वो अपने मां-बाप से बिल्कुल अलग दिखती थी। जिस कारण लोग उसे काफी ज्यादा चिढ़ाया करते थे। ऐसे में उसने एक दिन अपना डीएनए टेस्ट करवाने के बारे में सोचा। उसके बाद जो रिजल्ट उसके हाथ आया वो देखकर उसके पैरों तले जमीन खिसक गई।

दरअसल हुआ यूं कि लड़की को उसके ऑफिस के लोग काफी ज्यादा चिढ़ाया करते थे। लोग उससे कहा करते थे कि वो उत्तरी चीन की लगती ही नहीं है। उसकी नाक बड़ी है और होठ भी बड़े हैं। हालांकि वो हमेशा से लोगों से कहा करती थी कि मैं हमेशा ही शिनशियांग में रही हूं, लेकिन लोग कहते थे कि वो दक्षिणी चीन की लगती है।

जिस कारण उसने अपना डीएनए टेस्ट करवाया। वैसे तो ये टेस्ट उसने मज़ाक में ही कराया था लेकिन रिजल्ट बहुत ही अजीब था।इस रिजल्ट को देखने के बाद लड़की को समझ आया कि उसका डीएनए माता-पिता से अलग है और वो गुआंक्शी प्रोविंस से जुड़ी हुई है और उसका हेनान से कोई कनेक्शन नहीं था।

अपनी इस बात को जब उसने सोशल मीडिया पर शेयर किया तो पोस्ट फौरन ही वायरल हो गया। जिसके बाद गुआंक्शी एक महिला ने दावा किया कि वो उसकी बेटी है, जिसे उसने 24 साल पहले खो दिया था। वे लड़की से मिलने भी आना चाहते हैं। इस पोस्ट के वायरल होने के बाद लोग उसे जैविक माता-पिता से मिलने की शुभकामनाएं वाले संदेश दे रहे हैं।

गैंगस्टर पूनम रानी, कामिल खान संग निकाह, फिर करती रही ऐसे कांड... खुला काला चिट्ठा

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में पुलिस ने एक महिला ग्राम प्रधान और उसके पति को गिरफ्तार किया है। महिला ग्राम प्रधान और उसका पति की गैंगस्टर जोड़ी खाली पड़े प्लॉटों पर कब्जा कर लेते। उसके बाद उन प्लॉटों को छोड़ने की एवज में मोटी रकम वसूल लेते। या फिर गैर कानूनी तरीके से कागज तैयार कराकर बेच देते। इस काम को अंजाम देने के लिए पति- पत्नी ने पूरा गैंग बनाया हुआ था। अब दोनों जेल ही हवा खाएंगे। इस गैंगस्टर पति-पत्नी की कहानी भी पूरी फिल्मी है।

32 वर्षीय पूनम रानी नहाली गांव की प्रधान थी। उसने दूसरे धर्म के कामिल खां से शादी कर पहले ही सनसनी फैला दी थी। रही बची कसर दोनों के कारनामों ने पूरी कर दी। गैंगस्टर जोड़ी और इनके गैंग की नजर खाली पड़े प्लॉटों पर रहती थी। पुलिस का कहना है कि प्लॉट पर कब्जा कर उसके कागज तैयार कराने और फिर मोटे पैसों में भुनाने के मामले में यह गैंग एक्सपर्ट था।

पूनम रानी अपने पति कामिल खां के हर अपराध में पूरा साथ देती थी। दबंगई ऐसी कि बड़े- बड़ों की हवा टाइट कर दे। लेकिन अपराधी चाहे जितना भी शातिर क्यों न हो, पुलिस के हत्थे एक न एक चढ़ता जरूर है। नहाली गांव की प्रधान पूनम रानी और पति कामिल खां का भी वही हश्र हुआ। पुलिस ने दंपति के खिलाफ गैंगस्टर के तहत कार्रवाई की और गिरफ्तार कर लिया। फिर कोर्ट में पेश कर दोनों को जेल भी भेज दिया। अब इनके खिलाफ आगामी कार्रवाई जारी है।

पहले भी जा चुके हैं जेल

एसीपी मोदीनगर के मुताबिक, भोजपुर थाना पुलिस ने गांव नहाली की ग्राम प्रधान पूनम रानी और उसके शातिर पति कामिल खां पुत्र उम्मेद पर गैंगस्टर की कार्रवाई की है। पुलिस ने दोनों को को गिरफ्तार कर लिया। कामिल खां एक शातिर अपराधी है। उसके खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न आरोपों में 12 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। कामिल की पत्नी व मौजूदा ग्राम प्रधान पूनम रानी भी अपराध करने में पति का पूरा साथ देती थी। पति- पत्नी अपने अन्य साथियों के साथ कूटरचित कागजों के आधार पर कब्जा कर प्लॉट बेचने के मामले में पहले भी जेल जा चुके हैं।

सोनभद्र वन विभाग के अधिकारी की पत्नी का शव संदिग्ध हाल में मिला, सुबह दंपती की हुई थी लड़ाई

आर्यावर्त संवाददाता

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र वन विभाग में जिला गंगा समिति के परियोजना प्रबंधक महेंद्र गौतम की पत्नी प्रियंका किराए के मकान में अचेत अवस्था मे मिली। लोग तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे तो डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्मार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद से मृतका के पति का कोई पता नहीं है और उनका मोबाइल भी बंद है।

मिली जानकारी के मुताबिक सीतापुर जिले के में रहने वाले महेंद्र देव गौतम 32 वर्ष वन विभाग के अंतर्गत जिला गंगा समिति के जिला परियोजना की प्रबंधक (डीपीओ) के पद पर तैनात हैं। करीब छह महीने से वह रॉबर्ट्सगंज के उरमौरा स्थित एक किराए के मकान में पत्नी प्रियंका 28 वर्ष के साथ रहते थे। मृत महिला के परिवार की माने तो शादी के बाद से ही दोनों पति- पत्नी में अक्सर विवाद होता रहता था। दिवाली पर दोनों अपने घर गए हुए थे। त्यौहार बीतने के बाद दोनों पति-पत्नी वापस घर आए और फिर से दोनों में कहासुनी हो गई। सूचना पर पहुंचे लोढ़ी चौकी प्रभारी संजय सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। मौके से जरूरी साक्ष्य जुटाए और मृतका के मायके वालों को सूचना दी।

मृतका के पिता ने बताया कि महेंद्र प्रियंका से रिश्ता तोड़ने और छोड़ कर जाने का दबाव बने रहे थे। उन्होंने प्रताड़ना का आरोप लगाया है। छुट्टी खत्म होने के बाद महेंद्र रविवार की सुबह कमरे पर लौटे थे तो वहीं शाम को प्रियंका भी अकेले पहुंची थीं। पड़ोसियों के मुताबिक सोमवार की सुबह पति-पत्नी में किसी बात को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद महेंद्र अपने दफ्तर चले गए। वहां से वे कुछ जरूरी काम होने की बात कहकर निकल गया।

इस बीच किराएदार प्रियंका के चीखने की आवाज सुनकर जब कमरे में पहुंचे तो वह बेसुध होकर नीचे गिरी थी। पुलिस को सूचना देते हुए आस-पास के लोग उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां उसे चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक तौर पर जहर के खाने से मौत की आशंका जताई गई है। प्रियंका का शव देर शाम तक अस्पताल में पड़ा रहा। मंगलवार की दोपहर बाद में मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पोस्टमार्टम होगा।

तहरीर के आधार पर होगी कार्रवाई

रॉबर्ट्सगंज कोतवाली प्रभारी सतेंद्र कुमार राय ने बताया कि विवाहिता के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की भेज दिया गया है। मायके वालों को सूचना दी गई है। परिजन आ गए है। तहरीर और पोस्टमार्टम के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अलीगढ़ एटा नेशनल हाईवे पर गाड़ियों के आगे कूदी गाय, आपस में भिड़े कई वाहन, महिला की मौत और 9 घायल

आर्यावर्त संवाददाता

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में अलीगढ़-एटा नेशनल हाईवे पर भीषण सड़क हादसा हो गया। एक ट्रक ने गाय को कुचल दिया, जिसके कारण कई वाहन आपस में टकरा गए। इस हादसे में एक महिला की भी मौके पर मौत हो गई। करीब 9 लोग गंभीर घायल हो गए। सभी घायलों को पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से उपचार के लिए अस्पताला में भर्ती कराया है। हादसे के चलते अलीगढ़ एटा नेशनल हाईवे पर जाम लग गया।

जानकारी के अनुसार सिकंदराराऊ कोतवाली क्षेत्र के कानपुर अलीगढ़ नेशनल हाईवे पर गांव जिमिसपुर के पास एक ट्रक ने गाय को कुचल दिया। पीछे से आ रहे वाहनों की गति धीमी न होने के कारण टेंपो और बाइक एक-दूसरे से टकरा गए। इसके बाद एक कार के चालक ने गाड़ी सड़क के किनारे खड़ी कर दी, जबकि उसमें सवार लोग उतर कर सड़क पर खड़े हो गए। इसी बीच पीछे से आ रही एक ईको गाड़ी ने कार में टक्कर मार दी। इको की टक्कर से कार में सवार महिला सुनीता देवी उम्र 55 वर्ष की मौत हो गई। हादसे में कई अन्य लोग घायल हो गए।

सभी घायलों को सिकंदराराऊ क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए लाया गया। कुछ घायलों को गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। वहीं पुलिस ने इस हादसे में मृतक महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

इस भीषण सड़क हादसे के कारण देर रात में घंटों तक अलीगढ़ एटा नेशनल हाईवे पर जाम भी लग रहा। इस दुर्घटना में 55 वर्षीय सुनीता देवी पत्नी बृजपाल सिंह निवासी कमालुद्दीनपुर जिला फर्रुखाबाद की मौत हो गई। यूपी के हरदोई में दर्दनाक हादसा, महिलाओं-बच्चों समेत 10 लोगों की मौत, डीसीएम और ऑटो के बीच भिड़ंत इसके अलावा मुनेन्द्र, माधुरी पत्नी अनुज, गंगा सिंह पुत्र गौरव, राशिद पुत्र रशीद, सरोज देवी पत्नी गंगा सिंह सहित अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

मेड तोड़ने को लेकर दो पक्षों में हुए विवाद में आधा दर्जन के करीब जख्मी, मुकदमा

अजुहा, कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में खेत की मेड तोड़ने को लेकर दो पक्षों में आपसी कहासुनी के बाद विवाद हो गया जिसमें दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में आधा दर्जन के करीब लोग जख्मी हो गए , पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर घायलों को मेडिकल के लिए भेज कार्यवाही में जुट गई है।

अजुहा कस्बे के वार्ड नंबर छः निवासी सुभाष पुत्र चंद्र किशोर ने सैनी पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मंगलवार की सुबह पड़ोस के रहने वाला एक व्यक्ति उसके खेत की मेड तोड़ रहे थे जिसका विरोध करने पर दबंग अपने परिवार के लोगों के साथ मिलकर गाली गलौच देते हुए मारपीट करने लगे बीच बचाव के लिए पहुंचे भाई देवेश , हरिमोहन व आजी कल्लो देवी के साथ भी मारपीट कर जख्मी कर दिया। मारपीट में सुभाष , हरिमोहन व कल्लो देवी जख्मी हो गए।

कानपुर में तेंदुए की दस्तक, लोगों का बाहर निकलना बंद, पकड़ने के लिए पिंजड़े में रखा मांस

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। देश के जाने-माने संस्थान आईआईटी कानपुर के जंगलों में एक बार फिर तेंदुए ने अपनी मौजूदगी दिखा दहशत मचा दी है। तेंदुए की आहट से आईआईटी कैंपस में रहने वाले छात्रों, अधिकारियों और प्रोफेसरों में डर का माहौल बना हुआ है, वन विभाग की टीम तेंदुए को पकड़ने के लिए जंगल में मांस से भरा पिजड़ा लगाए हुए है। वन विभाग की एक टीम तेंदुए के सर्चिंग ऑपरेशन में लगी हुई है।

वन विभाग ने तेंदुए को लेकर इलाके के लोगों को रात में घर से बाहर ना निकालने की चेतावनी दी है। इससे पहले भी कानपुर में कटरी क्षेत्र से तेंदुआ कानपुर वीएसएसडी कॉलेज से होता हुआ नेशनल शर्करा संस्थान जा पहुंचा था। उसके बाद उसे आईआईटी कैंपस में भी देखा गया था। करीब 1 साल पहले तेंदुए की दहशत से नवाबगंज कल्याणपुर क्षेत्र में लोगों ने रात में निकलना बंद कर दिया था।

मांसाहार भोजन के साथ लगाया पिंजड़ा

वन विभाग की अधिकारी दिव्या ने बताया कि आईआईटी में तेंदुए की चहल-कदमी की जानकारी होने के बाद वन विभाग की टीम ने अपनी सर्च टीम को लगाया है। साथ ही मांसाहार भोजन के साथ एक पिंजड़ाभी जंगल में लगाया गया है। लेकिन दो दिन से उसकी चहल कदमी पिंजरे के पास नहीं दिखाई पड़ी है, जिससे उन्हें लगता है या तो वह निकल गया या फिर आईआईटी के जंगलों में उसे पर्याप्त मात्रा में भोजन मिल रहा है। इसके कारण वह पिंजरे में नहीं आ रहा है। उन्होंने बताया कि वन विभाग की सर्च ऑपरेशन टीम के 5 सदस्य आईआईटी में पिछले चार दिनों से लगातार सर्चिंग कर रहे हैं, लेकिन तेंदुआ पकड़ में नहीं आ रहा है।

वन विभाग की टीम कर रही IIT के जंगलों में सर्च

दिव्या ने बताया कि ऐसा लगता है कि तेंदुआ खुले में रहने और घूमने का आदी हो गया है और वह कटरी की ओर से उन्हें रास्तों से होता हुआ आईआईटी में आया। वह पहले की तरह ही जंगल के रास्ते कहीं चला गया है। उन्होंने बताया कि सूचना के बाद लगातार आईआईटी के जंगलों में कांबिंग टीम कर रही है। जिसकी दहशत से भी तेंदुआ या तो छिपा है या फिर जंगल के रास्ते कहीं और निकल गया है। लेकिन तेंदुए के ना पकडे जाने से आईआईटी केंपस के साथ अगल-बगल बस्तियों में भी दहशत के चलते लोग रात में घरों से नहीं निकल रहे हैं। वन विभाग की ओर से क्षेत्र में यह मैसेज कराया गया है कि रात में इकट्ठा होकर निकलें वह भी बेहद जरूरी काम को।

मिग–29 हादसे का सच... तीन जांच कमेटियां जुटा रहीं जानकारी कि आखिर क्या हुआ था

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। मिग-29 के क्रैश हो जाने की जांच तीन अलग-अलग कमेटियां करेंगी। एयरफोर्स ने कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश दिए हैं, तो वहीं उड्डयन सुरक्षा निदेशालय दिल्ली की टीम विमान दुर्घटना का सच जानेगी। आदमपुर की 28 वीं स्क्वाड्रन की जांच कमेटी भी हादसे की वजह जानने के लिए आगरा आएगी। तीनों जांच दल अपनी रिपोर्ट रक्षा मंत्रालय को सौंपेंगे।

एयरफोर्स के रिटायर्ड अधिकारियों के मुताबिक वायुसेना भवन से उड्डयन सुरक्षा निदेशालय का जांच दल हादसे का कारण जानने के लिए मौके पर पहुंचता है। दूसरी जांच एयर हेडक्वार्टर से बनाई गई टेक्निकल कमेटी करती है। यह कमेटी ब्लैक बॉक्स, इंजन और पायलट की एयर ट्रैफिक कंट्रोल से बातचीत का अध्ययन करेगी और जानेगी कि पायलट की गलती से हादसा हुआ या विमान की तकनीकी खामी के कारण। इसी तरह तीसरी जांच मिग-29 की आदमपुर स्थित 28 वीं स्क्वाड्रन करेगी। आदमपुर एयरफोर्स का जांच दल भी लापरवाही और तकनीकी खामियों की जांच करेगा, ताकि स्क्वाड्रन के अन्य विमानों की पड़ताल उसी निष्कर्ष के मुताबिक की जा सके। स्क्वाड्रन लीडर (रिटायर्ड) एके सिंह ने बताया कि लड़ाकू विमानों की दुर्घटना की जांच के लिए एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेशनल प्रॉसीजर) बनाई गई है।

वृंदावन के कथावाचक ने हिंदुओं से क्यों मांगी माफी ?

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा. वृंदावन के एक मशहूर कथावाचक ने हिंदू समाज से माफी मांगी है. उन्होंने भावुक होकर संत समाज से भी क्षमा प्रार्थना की है. माफी मांगने वाले कथावाचक आचार्य कौशिक हैं. उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह रेल पटरी के बीच में बैठकर शिवलिंग का अभिषेक करते हुए नजर आ रहे हैं. गंदी रेल पटरियों के बीच शिवलिंग का जलाभिषेक करने पर हिंदू समाज के लोगों ने आपत्ति जताई. उन्होंने सोशल मीडिया पर इसको लेकर कथावाचक आचार्य कौशिक के खिलाफ गुस्सा जताया.

कथावाचक आचार्य कौशिक का वीडियो वायरल होने पर उन्होंने माफी मांगी है. उनका कहना है कि उन्होंने यह सब भावनात्मक स्थिति में किया था. उनका कहना है कि वह खुद शिवभक्त हैं और जब तक भगवान शिव शंकर का अभिषेक नहीं कर लेते हैं तब तक अन्न तक ग्रहण नहीं करते.आचार्य कौशिक का कहना है कि उन्हें वृंदावन धाम छोड़ने की धमकी दी जा रही हैं.

आचार्य कौशिक को मिली वृंदावन छोड़ने की धमकी

आचार्य कौशिक का आरोप है कि कुछ लोगों ने उनसे वृंदावन छोड़ने को कहा है. इस मामले को लेकर उन्होंने अपनी गलती मानते हुए इसे भावनात्मक स्थिति बताया है. जिसके लिए उन्होंने सभी भक्तो और ब्रज के संतो से माफी भी मांगी है. माबली स्थित तुलसी वन गौशाला पर पत्रकारों से रूबरू होते हुए आचार्य कौशिक ने भावुक होते हुए कहा कि वह भगवान शिव के अभिषेक के बिना जलपान भी ग्रहण नहीं करते हैं. जिस तरह से लोग वीडियो को दर्शा कर उनसे वृंदावन छोड़ने की बात कह रहे हैं, वह उनके द्वारा चल रहे पुण्य कार्यों को भी देखे.

आचार्य कौशिक ने मांगी माफी

उन्होंने कहा है कि अगर इस वीडियो से किसी को क्षति पहुंची है तो वह सभी भक्तो और संत धर्माचार्यों से क्षमा मांगते हैं. उन्होंने कहा कि कुछ लोग उन्हें डराना चाहते हैं. वह निडर थे और निडर रहेंगे. उन्होंने कहा कि उनकी यह वीडियो भावनात्मक स्थिति में बनी थी. जिसके लिए वह बार-बार क्षमा प्रार्थी हैं. उनका कहना है कि वह अन्न त्यागकर सच्चे हृदय से गौवंश की सेवा कर हिंदू सनातनी धर्म को बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं. कोरोना काल में भी उन्होंने लाखों लोगों तक अन्न पहुंचाकर उनकी सेवा की थी. लेकिन कुछ हिन्दू विरोधी ताकत उन्हें बदनाम कर सनातन को बदनाम करने की साजिश कर रही हैं.

मॉल में बॉस ने दी ऑफिस पार्टी, युवती ने कंपनी के डायरेक्टर पर लगाया छेड़खानी का आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा स्थित गार्डन गैलरिया मॉल अक्सर चर्चाओं मे रहता है। मॉल में युवती के साथ अश्लील हरकत का मामला सामने आया है। यहां एक निजी कंपनी में काम करने वाली युवती ने कंपनी के डायरेक्टर के खिलाफ छेड़छाड़ और अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया है। इकसे बाद पुलिस ने कंपनी के डायरेक्टर को अरेस्ट कर लिया है।

युवती ने नोएडा पुलिस को दी जानकारी में बताया कि वह इंदिरापुरम स्थित बिल्डिंग कंसल्टेंसी फर्म में काम करती है। कंपनी के डायरेक्टर भूपेंद्र कुमार रमैया ने सेक्टर 38ए स्थित गार्डन गैलरिया मॉल के एक रेस्टॉरेंट में कर्मचारियों के लिए पार्टी का आयोजन किया गया था।

नशे की हालत में की छेड़छाड़

पार्टी के दौरान रमैया ने नशे की हालत में उसके साथ छेड़छाड़ की और गलत तरीके से छुआ। पीड़िता ने कहा कि जब उसने डायरेक्टर की गलत हरकत का विरोध किया तो उसे नौकरी से निकालने की धमकी दी। इसके साथ ही गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी भी दी। इसके बाद युवती ने सेक्टर 39 थाने में मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे अरेस्ट कर लिया। जहां पुलिस ने उसे मंगलवार को कोर्ट में पेश किया और जेल भेज दिया।

20000 दो और बन जाओ दूल्हा-दुल्हन, हो गई शादी! मैरिज के नाम पर हो रहे फ्रॉड का भंडाफोड़

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में पुलिस ने ऐसी गैंग का भंडाफोड़ किया है, जो महज 20 हजार रुपये में शादी का नकली सर्टिफिकेट दे रहे थे। यह काम एक साइबर कैफे में किया जा रहा था। पुलिस को जब इस बारे में सूचना मिली तो उन्होंने तुरंत इस साइबर कैफे में छापा मारा। पुलिस ने मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके साइबर कैफे से तीन मॉनिटर, 3 सीपीयू, तीन की बोर्ड और दो प्रिंटर भी बरामद किए हैं। साथ ही तीन फेक मैरिज सर्टिफिकेट भी वहां से पुलिस को मिले।

मामला प्रयागराज के कैंट इलाके का है। यहां अजय इंटरप्राइजेज नाम के साइबर कैफे से चल रहा था। पुलिस को सूचना मिली कि यहां 20 हजार रुपये में फेक मैरिज सर्टिफिकेट दिए जाते हैं। पुलिस ने जब छापेमारी की तो शेषमणि दुबे उर्फ राजा और अनिल प्रजापति नाम के व्यक्ति मौके पर मिले। दोनों से पुलिस ने जब सख्ती से पूछताछ की तो सारी कहानी का खुलासा हो गया। पूछताछ में ये भी पता चला है कि काफी समय से ये लोग फर्जी मैरिज सर्टिफिकेट बनाने का काम कर रहे थे। पुलिस ने दोनों के कब्जे से तीन मॉनिटर, 3 सीपीयू, तीन की बोर्ड और दो प्रिंटर बरामद किए हैं।

मामले का खुलासा कुछ ऐसे हुआ। इलाहाबाद हाईकोर्ट में कई शादीशुदा जोड़ों की तरफ से सुरक्षा की मांग को लेकर याचिका दाखिल की गई हैं। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान पता चला कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मैरिज सर्टिफिकेट बनाए जाने का खेल चल रहा है। जो मैरिज सर्टिफिकेट बनाए जा रहे हैं, उनमें फेक दस्तावेजों का सहारा लिया जा रहा है। शादी करने वाले जोड़ों से मैरिज सर्टिफिकेट के नाम पर 20 हजार रुपये लिए जा रहे हैं।

बिना जांच के ही फेक मैरिज सर्टिफिकेट जारी किए जा रहे हैं। कई मामलों में तो फर्जी आधार कार्ड और बर्थ सर्टिफिकेट सहित नाबालिग लड़कियों के बालिग प्रमाण पत्र बनाए जाने की भी बात सामने आई थी। हाईकोर्ट ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रयागराज पुलिस अधिकारियों को जांच कर उचित कार्रवाई का निर्देश दिया था।

मामले में क्या बोले DCP

डीसीपी सिटी ने बताया- इस गिरोह के संबंध में हाईकोर्ट में दाखिल एक याचिका को लेकर जांच की जा रही थी। इसी दौरान गिरोह को लेकर पुलिस को जानकारी मिली। गहनता से जब पुलिस टीम ने जांच की तो फर्जी मैरिज सर्टिफिकेट बनाए जाने का खुलासा हुआ। अजय इंटरप्राइजेज के मालिक अजय चौरसिया की भूमिका को लेकर भी जांच की जा रही है। जांच में जो साक्ष्य सामने आएंगे, उसके आधार पर अन्य लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

गोरखपुर में मौसम ने बदला मिजाज, साफ हुई शहर की हवा, कोहरा बढ़ा, पारा गिरा

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। दीवाली के बाद मौसम ने पाला बदल दिया है। गर्मी से ठंड की ओर बढ़ चला है। आतिशबाजी से अचानक बढ़े प्रदूषण में तेजी से आई कमी ने उसका साथ निभाया है। 321 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर तक बढ़ चुका एक्यूआइ (एयर क्वालिटी इंडेक्स) मात्र छह दिन 242 सूचकांक गिरकर 79 तक आया है।

प्रदूषण नियंत्रित होन से रात की सिहरन बढ़ गई है और देर रात से सुबह तक कोहरे का बढ़ता प्रभाव दिखने लगा है। पुरुआ हवा ने कोहरे और पछुआ हवा ने ठंड को बढ़ाने की जिम्मेदारी संभाल ली है। न्यूनतम तापमान 20 के नीचे आ गया है और अधिकतम भी 30 के करीब आकर ठहर गया है।

मौसम विज्ञानी अपने अध्ययन से कोहरे का दायरा बढ़ने का पूर्वानुमान जता रहे हैं। साथ ही ठंड की रफ्तार तेज होने का आसार जता रहे है। उनके अनुसार अनुसार गोरखपुर और आसपास के क्षेत्र में निचले वायुमंडल में पुरुआ हवा चल रही है। बंगाल की खाड़ी की ओर से आ रही यह हवा वातावरण की नमी बढ़ा रही है और कोहरे के निर्माण का आधार बना रही है।

ऊपरी वायुमंडल में पछुआ हवा चल रही है। यह हवा पश्चिमोत्तर भारत का प्रदूषण पूर्वी उत्तर प्रदेश तक ला रही है और बादलों के साथ मिलकर ऊपरी वायुमंडल में कभी-कभी धुंध बना रही है। चूंकि दोनों हवा की रफ्तार फिलहाल काफी कम है, इसलिए धुंध की स्थिति सुबह देर तक बनी रह जा रही है। मौसम विज्ञानी के अनुसार 15 नवंबर के बाद गोरखपुर और आसपास के क्षेत्र का तापमान तेजी से गिरने लगेगा। न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचेगा और अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री के बीच रिकार्ड किया जाएगा। दिसंबर की शुरुआत तक तापमान के दोनों स्तर में दो से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जाएगी। तापमान के गिरने में आर्द्रता की भी भूमिका होगी। यह 65 से 85 प्रतिशत के बीच रह सकती है। 15 नवंबर तक अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस के आसपास रिकार्ड किया जाएगा।

तंबाकू बैन करने से बच सकती हैं लाखों जिंदगियां

स्मोकिंग से हर साल 80 लाख मौतें, डॉक्टर से जानें क्विट करने के 10 तरीके

तम्बाकू एक ऐसा धीमा जहर है जो न केवल बुजुर्गों बल्कि युवा पीढ़ी को भी अपना शिकार बना रहा है। इसकी लत शरीर को अन्दर ही अंदर खोखला बना देती है। इतना ही नहीं तम्बाकू के सेवन और धूम्रपान से कैंसर का खतरा और मृत्यु की आशंका भी बढ़ जाती है। ऐसे में तम्बाकू के हानिकारक प्रभावों और उसपर प्रतिबन्ध के फायदों को उजागर करते हुए एक नया अध्ययन जारी किया गया है।

सिगरेट पीने से बहुत नुकसान होते हैं। हर साल लाखों लोगों की मौत होती है। 10 से ज्यादा प्रकार के कैंसर होते हैं। दुनिया का हर स्मोकर जानता है कि वो जहर पी रहा है। लेकिन स्मोकिंग के इस नुकसान से बचने का तरीका क्या है? तरीका सिर्फ एक ही है। स्मोकिंग न करना यानी सिगरेट पीना छोड़ देना।

हाल ही में विश्व प्रसिद्ध जर्नल 'द लैंसेट' पब्लिक हेल्थ में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, अगर साल 2050 तक स्मोकिंग रेट घटकर सिर्फ 5% रह जाए तो इसके अविश्वसनीय नतीजे सामने आ सकते हैं। इससे पुरुषों की जीवन प्रत्याशा 1 साल और महिलाओं की 0.2 साल तक बढ़ सकती है।

उम्मीद की बात ये है कि रिसर्चर्स ने अनुमान जताया है कि पूरी दुनिया में साल 2050 तक स्मोकिंग रेट घटकर पुरुषों में 21% और महिलाओं में लगभग 4% तक हो सकता है। यह भी अनुमान जताया है कि अगर सिगरेट छोड़ने के प्रयासों में तेजी दिखाई जाए तो पूरी दुनिया में लोगों की जिंदगी में लगभग 87.6 करोड़ साल और जुड़ सकते हैं।

भारत में स्मोकिंग से हर साल 10 लाख लोगों की मौत

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के मुताबिक, पूरी दुनिया में हर साल सिगरेट पीने की वजह से 80 लाख से ज्यादा लोगों की प्रीमेच्योर मौत होती है। वहीं भारत में हर साल स्मोकिंग के कारण 10 लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। इसमें अगर अन्य तंबाकू उत्पादों के सेवन के आंकड़े भी जोड़ दिए जाएं तो भारत में हर साल लगभग 13.5 लाख लोगों की मौत तंबाकू के सेवन के कारण होती है।

भारत में 25.3 करोड़ स्मोकर्स हैं

दुनिया में सबसे अधिक तंबाकू का सेवन करने वाले देशों की लिस्ट में चीन के बाद भारत दूसरे नंबर पर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, भारत में 15 वर्ष या उससे अधिक उम्र के 25.3 करोड़ लोग स्मोकिंग करते हैं। इनमें लगभग 20 करोड़ पुरुष हैं और 5.3 करोड़ महिलाएं हैं।

अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर रही है सिगरेट

जब किसी देश में शराब और सिगरेट बैन करने की मांग होती है तो यह चर्चा भी तेज हो जाती है कि अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा इनसे मिल रहे टैक्स पर टिका हुआ है। इसलिए बैन करना आसान नहीं है। जबकि सच यह है कि शराब और सिगरेट के कारण हुई बीमारियों से अर्थव्यवस्था पर बोझ बढ़ता है।

कैसे होती है सिगरेट की शुरुआत

फिल्मों में स्मोकिंग को ग्लैमर, एक्साइटमेंट और बौद्धिकता से जोड़कर दिखाया जाता है। इसलिए किशोर इस ओर आकर्षित होते हैं। अमेरिकन कैंसर सोसायटी के मुताबिक, 10 में से 9 लोग सिगरेट पीने की शुरुआत टीनएज में ही करते हैं। इसलिए जरूरी है कि पेरेंट्स और टीचर्स बच्चों को इस बारे में अवेयर करें।

स्मोकिंग से कौन सी बीमारियां होती हैं

स्मोकिंग के कारण 10 से ज्यादा तरह के कैंसर, हार्ट डिजीज, स्ट्रोक और अस्थमा का जोखिम होता है। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि दुनिया में सबसे अधिक मौतों की वजह कैंसर और हार्ट डिजीज ही हैं।

पूरी दुनिया में हर साल लगभग 6 करोड़ लोगों की मौत होती है। इनमें लगभग 1.80 करोड़ मौतें हार्ट डिजीज के कारण होती हैं और 1 करोड़ मौतों की वजह कैंसर है।

इन सभी बीमारियों और मौतों से बचने का एक ही उपाय है, स्मोकिंग क्विट करना।

सिगरेट क्विट करने के लिए क्या करें?

सभी स्मोकर्स जानते हैं कि सिगरेट का हर एक कश कैसे उनके फेफड़ों और शरीर के सभी अंगों को छलनी कर रहा है। इसके बावजूद वे इसे नहीं छोड़ पाते हैं। इसकी वजह है, सिगरेट में मौजूद 7 हजार से ज्यादा केमिकल कंपाउंड्स और विशेषकर निकोटिन।

ये केमिकल साइकोएक्टिव होते हैं और हमारे नर्वस सिस्टम को कंट्रोल करते हैं। निकोटिन के कारण डोपामाइन केमिकल रिलीज होता है, जो हमें एक साथ एक्टिव, एलर्ट और रिलैक्स मोड में ले जाता है। इसलिए दिमाग सिगरेट का लती हो जाता है। इसके नहीं मिलने पर उलझन, बेचैनी और झुंझलाहट होने लगती है।

इसलिए सिगरेट छोड़ने के लिए सही प्लान बनाना जरूरी है। इसके लिए जयपुर के नारायणा हॉस्पिटल में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग की डायरेक्टर डॉ. निधि पाटनी ने कुछ तरीके बताए, आइए ग्राफिक में देखते हैं।

उद्देश्य बनाएं फिर ट्रिगर्स पहचानकर उन्हें अवॉइड करें

सबसे पहले स्मोकिंग क्विट करने के लिए एक उद्देश्य खोजें। यह कुछ भी हो सकता है, जैसे आप अपने कारण फैमिली या बच्चों को पैसिव स्मोकर नहीं बनने देंगे। आप अपना जीवन कम-से-कम बीमारियों के जोखिम के बीच स्वस्थ तरीके से बिताना चाहते हैं।

खालीपन स्मोकिंग के लिए ट्रिगर पॉइंट है। इसलिए खुद को किसी-न-किसी काम में व्यस्त बनाए रखें। समय मिलने पर कोई फिल्म देख सकते हैं या म्यूजिक सुन सकते हैं।

अगर खाली समय होने पर दिमाग स्मोकिंग की तरफ जाता है तो इस दौरान अपने घर की साफ-सफाई और सजावट का काम कर सकते हैं। आप देखेंगे कि कुछ दिन में ही आपका घर कितना सुंदर हो गया है। इससे स्मोकिंग का ख्याल भी चला जाएगा।

सिगरेट छोड़ने के चलते पहले ही दिमाग स्ट्रेस में होता है। ऐसे में जरूरी है कि घर और वर्कप्लेस में स्ट्रेस फ्री माहौल मिले। स्मोकिंग के लिए स्ट्रेस सबसे बड़ा ट्रिगर है। अपने सभी काम एक दिन पहले ही प्लान करें ताकि ऐन मौके पर हड़बड़ी और स्ट्रेस न हो।

अगर स्मोकिंग छोड़ने के कारण बहुत बेचैनी हो रही है या अजीब महसूस हो रहा है तो अपने दोस्तों के साथ या फैमिली के साथ वक्त बिताएं। उनसे अपनी मौजूदा मनोदशा के बारे में बात करें और मदद मांगें।

अगर स्मोकिंग क्विट करने के कारण ऑफिस वर्क करना या घर के काम करना मुश्किल हो रहा है तो कुछ दिन का ब्रेक लें। इस दौरान अपनी पसंदीदा जगह जाकर सुकून से रह सकते हैं।

स्मोकिंग क्विट करने से हो रही बेचैनी की भरपाई दूसरे नशे से न करें। इसके लिए शराब या कोई दूसरा नशा विकल्प कभी नहीं हो सकता है। यह एक कुएं से निकलकर दूसरे कुएं में गिरने जैसा है।

स्मोक किए बिना पहला दिन बीतने, एक हफ्ता बीतने, एक महीना बीतने और फिर एक साल बीतने के गोल्स बनाएं। इन माइलस्टोन को हासिल करने पर खुद को किसी ट्रिप या पसंदीदा चीज से रिवॉर्ड करें।

"धूम्रपान-मुक्त" पीढ़ी तैयार कर रहे हैं कई देश

रिपोर्ट के मुताबिक 150 देशों में, 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों के बीच, तंबाकू के उपयोग में सफलतापूर्वक कमी आ रही है। वहीं ज्यादातर देशों में धूम्रपान की दर में भी गिरावट देखने को मिली है। यह तब है कि जब तम्बाकू उद्योग सिगरेट और अन्य उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए भरसक प्रयास कर रहा है। हालांकि इस कमी के बावजूद स्वास्थ्य संगठन ने चेताया है कि ₹तम्बाकू महामारी₹ दुनिया के सामने खड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े सबसे बड़े खतरों में से एक है, जो अब भी हर साल 80 लाख से ज्यादा जिंदगियों को लील रही है। इनमें से 70 लाख वो हैं जो सीधे तौर पर इसका सेवन करने के कारण शिकार बन रहे हैं। वहीं विडम्बना देखिए कि 13 लाख लोगों की मौत इसलिए हो रही है क्योंकि वो अन्य लोगों द्वारा किए जा रहे धूम्रपान के दौरान निकले धुंए के संपर्क में आते हैं। डब्ल्यूएचओ ने आगाह किया है कि आने वाले वर्षों में तंबाकू से कहीं ज्यादा मौते हो सकती हैं।

नींद न आने की समस्या बढ़ा सकती है कई बीमारियों का खतरा, अच्छी नींद पाने के लिए क्या करें?

शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए अच्छी नींद लेना बहुत आवश्यक माना जाता है। ये मानसिक और शारीरिक दोनों प्रकार की सेहत को ठीक रखने के लिए जरूरी है। डॉक्टर बताते हैं, जिन लोगों की नींद पूरी नहीं होती है उन्हें कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा रहता है।

नींद की समस्याओं के कारण

नींद न आने की समस्या के कई कारण हो सकते हैं। मानसिक तनाव या चिंताएं अक्सर दिमाग को इतना सक्रिय कर देती हैं कि व्यक्ति आराम से सो नहीं पाता। इसके अलावा चाय, कॉफी, सिगरेट और अन्य कैफीनयुक्त पदार्थों का सेवन करने वालों को भी नींद विकारों की दिक्कत हो सकती है। अध्ययनों से पता चलता है कि कुछ प्रकार की क्रोनिक बीमारियों जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, दिल की बीमारियां और मानसिक रोग के शिकार लोगों की भी नींद अक्सर बाधित रहती है।

नींद न की समस्या (अनिद्रा) एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति को सोने में कठिनाई होती है या रात में अक्सर उसकी नींद टूट जाती है। नींद की कमी का असर दीर्घकालिक रूप से कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ाने वाली हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, नींद की बढ़ती समस्याओं के लिए मोबाइल या कंप्यूटर जैसे स्क्रीन्स का अधिक इस्तेमाल भी माना जा सकता है। इन उपकरणों से निकलने वाली ब्लू लाइट नींद के लिए आवश्यक मेलाटोनिन हार्मोन के उत्पादन को रोकती है। नींद में सुधार के लिए कुछ उपाय मददगार हो सकते हैं।

एक ही समय पर रोज सोने की बनाएं आदत

हर दिन एक ही समय पर सोने और जागने की आदत डालें। इससे शरीर का बायोलॉजिकल क्लॉक नियमित होता है, जिससे नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है। इसके अलावा कमरे को नींद के अनुकूल बनाएं। कमरा शांत, अंधेरा वाला और ठंडा होना चाहिए। अनुकूल माहौल में अच्छी नींद मिलती है।

स्क्रीन से बनाएं दूरी

सोने से 1-2 घंटे पहले स्मार्टफोन, कंप्यूटर, या टेलीविजन का इस्तेमाल न करें। इन उपकरणों की ब्लू लाइट मेलाटोनिन हार्मोन के स्तर को प्रभावित करती है, जिससे नींद आने में परेशानी होती है। मेलाटोनिन एक प्राकृतिक हार्मोन है जो नींद को नियंत्रित करता है। अनिद्रा के शिकार लोग डॉक्टर से सलाह लेकर इसका सप्लीमेंट ले सकते हैं। अगर नींद की समस्या किसी मानसिक विकार जैसे अवसाद या एंग्जायटी के कारण है, तो इसके लिए मनोचिकित्सक से सलाह लें।

नियमित व्यायाम जरूरी

नियमित शारीरिक व्यायाम नींद की गुणवत्ता में सुधार करने में सहायक है। व्यायाम करने से शरीर को थकावट महसूस होती है, जिससे सोने में आसानी होती है। ध्यान रहे कि सोने से पहले व्यायाम न करें, क्योंकि यह शारीरिक उत्तेजना बढ़ा सकता है। ध्यान, गहरी सांस लेने की तकनीक और मांसपेशियों को आराम देने वाली एक्सरसाइज सोने से पहले करने से तनाव कम होता है और नींद में सुधार होता है।

लाइट जलाते ही आस-पास मंडराने लगते हैं कीड़े तो इन उपायों से पाएं इनसे छुटकारा

एक बार उनके आने के बाद आप भले ही लाइट बंद कर दें लेकिन उसके बाद भी एक कीड़े बल्ब के आसपास चिपके रहते हैं। आज-कल के मौसम में तो ये कीड़े इतनी ज्यादा हो गए हैं कि खाना पीना तक मुश्किल हो गया है। ऐसे में हर कोई इनसे छुटकारा पाने का तरीका ढूंढ रहा है।

अगर आप भी इन कीड़ों से छुटकारा पाना चाहते हैं तो हम यहां आपको इसके लिए कुछ आसान तरीके बताने जा रहे हैं। हमारे बताए हुए टिप्स को फॉलो करके आप इन गंदे कीड़ों से छुटकारा पा सकते हैं। इसके लिए आपको ज्यादा कुछ मेहनत करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

नीम का तेल

नीम का तेल एक प्राकृतिक कीटनाशक है। इसे पानी में मिलाकर छिड़कने से कीड़े दूर भागते हैं। तो यदि आपके घर में शाम के वक्त कीड़े आ जाते हैं तो इस नुस्खे को अपनाएं।

लौंग और दालचीनी

इनकी गंध कीड़ों को दूर रखती है। ऐसे में यदि आपके घर में शाम होते ही कीड़े मंडराने लगते हैं तो इन दोनों चीजों को घर के कोनों में रखें, ताकि कीड़े इसकी गंध से दूर भागेंगे।

साबुन का पानी

साबुन और पानी का मिश्रण कीड़ों को मारने में मददगार होता है। इसे तैयार करने के बाद सीधे कीड़ों पर छिड़कें। इससे वो या तो भाग जाएंगे या तुरंत ही मर जाएंगे।

बेकिंग सोडा और चीनी

जिस जगह पर कीड़े ज्यादा आते हों, वहां इस मिश्रण को रखें। इसके इस्तेमाल के लिए इन्हें एक समान मात्रा में मिलाकर इसे कीड़ों के रास्तों पर रखें। चीनी कीड़ों को आकर्षित करेगी, और बेकिंग सोडा उन्हें मार देगा।

कपूर

पूजा में इस्तेमाल होने वाला कपूर घर से कीड़ों को भगाने के लिए भी बेहद कारगर है। इसके इस्तेमाल के लिए कपूर का पाउडर, तेल या फिर कपूर को जलाकर भी कीड़ों को भगा सकते हैं। इसके अलावा आप कपूर का पाउडर या तेल स्प्रे पंप में भरकर छिड़काव कर सकते हैं।

आपके अधिकार: ब्रांड के 'लोगो' वाले शॉपिंग बैग के पैसे नहीं ले सकते स्टोर

शॉपिंग बैग ऑफलाइन शॉपिंग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कई स्टोर्स ऐसे शॉपिंग बैग्स मुफ्त में देते हैं तो कुछ इसके लिए चार्ज भी करते हैं। अब जबकि दिवाली पर स्टोर्स में शॉपिंग का क्रेज बढ़ने वाला है, ऐसे में जानते हैं कि शॉपिंग बैग्स को लेकर उपभोक्ता कानून क्या कहते हैं।

रिटेल स्टोर भी है एक सेवा प्रदाता जब एक बड़े रिटेल स्टोर ने एक ग्राहक से उस बैग के लिए चार्ज किया, जिसमें उसे खरीदी गई वस्तुएं ले जानी थीं, तो सेवा में कमी और अनुचित ट्रेड प्रैक्टिस का आरोप लगाते हुए ग्राहक मामले को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ता फोरम में ले गया। इस मामले में फोरम के समक्ष रिटेल स्टोर ने कहा कि रिटेल स्टोर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत 'सेवा' के दायरे में नहीं आते हैं और इसलिए उसे इस अधिनियम के तहत किसी भी चीज के लिए उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता। हालांकि, फोरम ने इस तर्क को नकार दिया और माना कि चूंकि ग्राहक ने पेपर बैग के साथ आइटम खरीदने के लिए भुगतान किया। इसलिए ग्राहक एक उपभोक्ता है और रिटेल स्टोर एक सेवा प्रदाता।

क्या बैग में ब्रांड का 'लोगो' हो सकता है? इस मामले में चंडीगढ़ राज्य आयोग द्वारा पंकज चांदगोठिया के केस का संदर्भ लिया जा सकता है। उपभोक्ता को एक बैग मिला, जिसमें ब्रांड का लोगो था। आयोग ने सबसे पहले तो 'पेपर कैरी बैग के लिए चार्ज' को अनुचित ट्रेड प्रैक्टिस माना। दूसरा, उसने कहा, 'ग्राहक जिस ब्रांड के लोगो वाले कैरी बैग खरीद रहा है, वह वास्तव में ब्रांड का प्रचार कर रहा है और इस तरह ब्रांड एंबेसडर बन जाता है।' इसके बावजूद स्टोर ने ग्राहक से बैग के लिए चार्ज किया है, इसलिए इसे अनुचित ट्रेड प्रैक्टिस माना गया। आयोग ने स्टोर को बैग के लिए चार्ज किए गए 5 रुपए उपभोक्ता को वापस करने और 3,000 रुपए की क्षतिपूर्ति करने के निर्देश भी दिए। साथ ही कंज्यूमर एड लीगल के खाते में 10,000 रुपए जमा करने के निर्देश भी दिए। इसी तरह के एक अन्य मामले में त्रिपुरा राज्य आयोग ने भी इसे एक अनुचित ट्रेड प्रैक्टिस माना और उपभोक्ता को 10,010 रुपए का मुआवजा देने का निर्देश दिया।

उपभोक्ताओं का जानने का अधिकार उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 2(9) में उपभोक्ता अधिकारों का विवरण दिया गया है, जिसमें ₹सूचित किए जाने का अधिकार।..' शामिल है। उपभोक्ता आयोगों के समक्ष आए सभी मामलों में इस बात पर जोर दिया गया है कि दुकानों या स्टोर्स को कम से कम उपभोक्ताओं को पहले से सूचित किया जाना जरूरी है कि उनसे शॉपिंग बैग के लिए शुल्क लिया जाएगा।

राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) ने कहा, 'उपभोक्ता संबंधित आउटलेट पर जाने या न जाने का विकल्प चुन सकें, इसके लिए पूर्व सूचना आवश्यक रूप से होनी चाहिए (खुदरा आउटलेट के प्रवेश द्वार पर भी)। साथ ही उपभोक्ता को खरीदी के लिए सामान का चयन करने से पहले कैरी बैग की अतिरिक्त लागत, उसकी मुख्य विशेषताओं और कीमत के बारे में सूचित किया जाना चाहिए।' इसलिए यदि स्टोर शॉपिंग बैग के लिए शुल्क ले रहे हैं तो उन्हें कई स्थानों पर और विशेष रूप से गेट पर उस जानकारी को प्रमुखता से प्रदर्शित करना आवश्यक होगा। यदि उपभोक्ता को केवल बिलिंग काउंटर पर ही इस बारे में बताया जाता है तो यह पर्याप्त नहीं होगा। कुल मिलाकर, यदि कोई स्टोर बैग के लिए शुल्क ले रहा है तो उसे इसके बारे में पूरी जानकारी पहले से ही उपभोक्ता के साथ साझा की जानी चाहिए और 'लोगो' वाले बैग के लिए शुल्क तो स्टोर ले ही नहीं ले सकते।

ई-कॉमर्स साइट्स ने 1 लाख करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज की, त्योहारी सीजन का मिला फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। के छोटे शहरों और कस्बों में निजी खपत और मांग बढने के साथ त्योहारी सीजन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के लिए शानदार रहा। एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, प्रीमियमाइजेशन के बढ़ते ट्रेंड के साथ ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने महीने भर चलने वाले त्योहारी सीजन में सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक दर्ज किया है।

उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, यह देश में प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर पिछले साल की त्योहारी बिक्री से 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है। 26 सितंबर से शुरू हुई त्योहारी बिक्री के पहले सप्ताह में अकेले 55,000 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ, जो कुल बिक्री का लगभग आधा है।

ई-कॉमर्स कंसल्टेंसी डेटम इंटेलिजेंस ने इस त्योहारी सीजन में बिक्री में 23 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि का अनुमान लगाया है।

मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और फैशन कैटेगरी में तेजी आई, जबकि अन्य कैटेगरी जैसे ब्यूटी और पर्सनल केयर, होम और क्विक कॉमर्स लेड ग्रॉसरी में सामान्य रूप से बेहतर कारोबार (बीएयू) प्रदर्शन रहा। क्विक कॉमर्स ने 2023 से बेहतर प्रदर्शन किया है। इस बार क्विक कॉमर्स ने समग्र ई-कॉमर्स वृद्धि में लगभग 8 प्रतिशत का योगदान दिया है, जो कि पिछले साल 5 प्रतिशत था।

त्योहारी सीजन के दौरान स्मार्टफोन की बिक्री सबसे ज्यादा रही, ऑनलाइन बिक्री से स्मार्टफोन की खरीद में करीब 65 फीसदी की हिस्सेदारी रही। प्रीमियम ब्रांड की मांग में उछाल आया। टियर 2 और उससे आगे के शहरों ने अमेजन के लिए प्रीमियम स्मार्टफोन की बिक्री में 70 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया। 85 प्रतिशत से अधिक ग्राहक गैर-मेट्रो शहरों से आए और 50 प्रतिशत से अधिक टीवी खरीदारी टियर 2 और 3 शहरों से हुई। अमेजन इंडिया के अनुसार, टियर 2 शहरों से बड़े उपकरणों की मांग में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें ग्राहक एयर कंडीशनर और रेफ्रिजरेटर को प्राथमिकता दे रहे हैं।

ब्रांड ने भी त्योहारी मांग को देखते हुए कई महत्वाकांक्षी ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने की कोशिश कीं। परिणामस्वरूप ब्रांड टियर 2 शहरों और उससे आगे के कम पहुंच वाले ग्राहकों तक पहुंच बनाने और लाभ कमाने में कामयाब रहे।

होम और किचन अप्लायंसेज जैसी नई कैटेगरी ने क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर पकड़ बनाई, जिससे प्लेटफॉर्म को अपने औसत ऑर्डर मूल्य और लाभ को बढ़ाने में मदद मिली।

एनटीपीसी और ओएनजीसी ग्रीन एनर्जी सेक्टर में कारोबार के लिए बनाएंगी ज्वाइंट वेंचर

नई दिल्ली, एजेंसी। पब्लिक सेक्टर की महारत्न कंपनियों एनटीपीसी और ओएजीसी ने ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में काम कर रही अपनी सहयोगी कंपनियों एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) और ओएनजीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (ओजीएल) के माध्यम से ज्वाइंट वेंचर बनाने का फैसला किया है। इसका उद्देश्य रिन्यूएबल और न्यू एनर्जी सेक्टर में तेजी से प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाना है।

ऊर्जा मंत्रालय की ओर से कहा गया कि इंडिया एनर्जी वीक-2024 के दौरान 7 फरवरी 2024 को ज्वाइंट वेंचर एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करने और दीपम एवं नीति आयोग से आवश्यक वैधानिक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद, एनजीईएल ने कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के पास ओजीएल के साथ 50:50 की साझेदारी में एक ज्वाइंट वेंचर बनाने के लिए आवेदन दिया है।

इस ज्वाइंट वेंचर के जरिए सोलर, विंड, एनर्जी स्टोरेज, ग्रीन हाइड्रोजन, ग्रीन अमोनिया, ई-मोबिलिटी, कार्बन क्रेडिट्स और ग्रीन क्रेडिट्स में मौजूद अवसरों का लाभ उठाया जाएगा।

मंत्रालय ने आगे कहा कि ज्वाइंट वेंचर रिन्यूएबल एनर्जी एसेट्स के अधिग्रहण के अवसरों की तलाश करेगा। वहीं, तमिलनाडु और गुजरात में आगामी ऑफशोर विंड टेंडर्स में भागीदारी पर भी विचार करेगा।

एनजीईएल और ओजीएल के बीच रणनीतिक साझेदारी स्थायी ऊर्जा पहल को आगे बढ़ाने की दिशा में एक ठोस प्रयास का प्रतीक है, जो हरित भविष्य के लिए देश के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है। न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाइक ने हाल ही में रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में भारतीय मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना और अन्य प्रोत्साहनों पर उद्योग प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की।

इस दौरान नाइक ने इंडस्ट्री एसोसिएशन को मंत्रालय से पूरा समर्थन मिलने का भरोसा दिया है। साथ ही कहा कि भारत को कम कार्बन अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। बैठक में रिन्यूएबल एनर्जी इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों में अखिल भारतीय सौर उद्योग संघ भी शामिल था।

अमेरिकी चुनाव का मजाक उड़ाते रहे हैं खामेनेई, लेकिन इस बार मुंह पर क्यों रखी है उंगली?

वॉशिंगटन, एजेंसी। पूरी दुनिया में अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव की चर्चा है। दुनिया के सबसे ताकतवर मुल्क में हो रहे चुनाव पर ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने चुप्पी साध रखी है, जो हैरान करने वाला है। इससे पहले तक अमेरिका में जब भी राष्ट्रपति चुनाव हुए खामेनेई ने अपनी प्रतिक्रिया जरूर दी। वह अमेरिकी चुनाव का मजाक भी उड़ा चुके हैं। वह डिबेट तक की आलोचना कर चुके हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच 36 का आंकड़ा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप और खामेनेई के बीच लड़ाई जगजाहिर है। चुनावों में एक ओर ट्रंप जहां मजबूत होकर सामने आ रहे हैं तो खामेनेई अपने मुल्क में कमजोर हुए हैं। उनका देश इजराइल से तनाव का सामना कर रहा है। ईरान में आर्थिक संकट भी है। ईरान के प्रॉक्सी संगठन हिजबुल्लाह और हमास भी कमजोर हुए हैं।

35 साल का शासन और 8 राष्ट्रपति चुनाव

खामेनेई 1989 में ईरान के सुप्रीम लीडर बने। तब से अमेरिका में राष्ट्रपति के 8 चुनाव हुए हैं। खामेनेई ज्यादातर मौकों पर अमेरिकी चुनाव की आलोचना किए हैं। वह वहां की दोनों बड़ी पार्टियों डेमोक्रेटिक और रिप्बिलिकन का मजाक उड़ा चुके हैं। खामेनेई अमेरिकी राष्ट्रपतियों को मूर्ख और जोकर तक करार चुके हैं। खामेनेई के सुप्रीम लीडर बनने के बाद अमेरिका में राष्ट्रपति का पहला चुनाव 1992 में हुआ था। पद पर नए-नए होने के कारण उन्होंने तब ज्यादा कुछ नहीं कहा था। लेकिन 1996 में जब अमेरिकी चुनाव हुए तब खामेनेई काफी मुखर थे। तब उन्होंने अमेरिकी लोकतंत्र की आलोचना की थी। अपने पसंदीदा लेखक, हॉवर्ड फास्ट का संदर्भ देते हुए खामेनेई ने अमेरिकी चुनावों का विश्लेषण किया था।

फास्ट के उपन्यासों संभवतः द इमिग्रेंट्स का हवाला देते हुए उन्होंने अमेरिका में वामपंथियों, समाजवादियों और कम्युनिस्टों के दमन की निंदा की थी। उन्होंने कहा, उनके कुछ उपन्यासों का फारसी में अनुवाद किया गया है। वामपंथियों के बारे में चौंकाने वाली जानकारी जानने के लिए उन्हें पढ़ें। चुनाव के एक महीने बाद, 6 दिसंबर 1996 को खामेनेई ने फिर से छात्रों के साथ अमेरिकी चुनावों पर चर्चा की। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया का विश्लेषण करने के लिए हॉवर्ड फास्ट का हवाला दिया।

2000 में क्या कहा?

खामेनेई के नेतृत्व में अगला अमेरिकी चुनाव 7 नवंबर 2000 को हुआ, जिसमें जॉर्ज डब्ल्यू बुश की जीत हुई। इस समय तक खामेनेई ने अपना दृष्टिकोण बदल दिया था और मई 2000 में टिप्पणी की थी, मैं किसी कट्टर मुस्लिम लेखक को कोट नहीं कर रहा। मैं पश्चिमी लोगों को कोट कर रहा हूं। मैं लेखकों का नाम नहीं लेना चाहता, लेकिन अमेरिकी लेखक बताते हैं कि नगर परिषदों, कांग्रेस और राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कैसे संचालित होते हैं। इसे देखने वाला कोई भी व्यक्ति कहेगा कि जनता की राय की लगभग कोई भूमिका नहीं है।

जुलाई में उन्होंने अधिकारियों के साथ एक बैठक में अमेरिकी चुनावों को फिर से संबोधित किया। इस दौरान खामेनेई ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति मोहम्मद खातमी से कहा था कि पश्चिमी देशों में एक ग्रुप पार्टी के निर्देशानुसार वोट देता है और यही इसका अंत है। उन्होंने आगे कहा, यहां (ईरान) लोग अपने अधिकारियों से प्यार करते हैं। यहां सिर्फ वोट का संबंध नहीं है।

सितंबर 2000 में खामेनेई ने अमेरिका की किताबों का हवाला देते हुए कहा कि चुनावों में मीडिया की क्या भूमिका होती है, ये जानने के लिए आप इन किताबों को पढ़िए। जानिए शहर और गवर्नर के चुनाव कैसे संचालित होते हैं। जब राष्ट्रपति और कांग्रेस के चुनावों की बात आती है तो पैसा मुख्य भूमिका निभाता है। लोगों को दरकिनार कर दिया जाता है। ये कोई सच्चा लोकतंत्र नहीं है।

दिसंबर 2000 में खामेनेई ने अमेरिकी लोकतंत्र की आलोचना से परेशान लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ये हमारे शब्द नहीं हैं। हम जो बातें कर रहे हैं वो अमेरिकी किताबों के हवाले से है। ये बातें पक्षपाती नहीं हैं। हां किताबों में लेखक दावा करते हैं कि लोगों के वोट मायने रखते हैं, लेकिन वास्तव में वे ऐसा नहीं करते।

'बदलाव के लिए ओबामा को वोट'

2012 में खामेनेई ने 2008 में ओबामा की जीत का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ओबामा बदलाव का दावा करके सत्ता में आए थे। अमेरिका के लोग ओबामा को नहीं चाहते थे, लेकिन उन्हें बदलाव की उम्मीद करते हुए उन्हें वोट दिया।

इसके बाद अमेरिका में राष्ट्रपति का अगला चुनाव 2016 में हुआ। टक्कर डोनाल्ड ट्रंप और हिलेरी क्लिंटन के बीच थी। खामेनेई ने तब कहा कि कुछ महीनों में अमेरिका अपना प्रशासन बदल देगा, लेकिन इसकी कोई गारंटी नहीं है कि अगला प्रशासन पिछली प्रतिबद्धताओं का सम्मान करेगा।

ट्रंप की धमकी का दिया जवाब

14 मई 2016 को उन्होंने ईरान परमाणु समझौते से हटने की ट्रंप के अभियान की धमकी का जवाब देते हुए कहा, हम समझौते का उल्लंघन नहीं करेंगे, लेकिन अगर वे इसे तोड़ते हैं, तो हम इसे जला देंगे। चुनाव से दो हफ्ते पहले खामेनेई ने अमेरिकी डिबेट पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि उनके राष्ट्रपति चुनाव को देखो, यह दो लोगों तक सीमित है। उनकी बहस देखें। वे एक-दूसरे के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। इन दोनों में से कोई एक राष्ट्रपति बनेगा। ट्रंप की जीत के बाद खामेनेई ने टिप्पणी की, अमेरिका अमेरिका है। किसी भी पार्टी ने हमें कभी फायदा नहीं पहुंचाया। हम शोक या जश्न नहीं मनाते। अमेरिकी चुनावों पर खामेनेई की आखिरी टिप्पणी 20 नवंबर, 2022 को आई। उन्होंने कहा कि हर अमेरिकी राष्ट्रपति ने हमसे लड़ाई की है।

कार पार्क करने गए थे, बाढ़ आई तो पेड़ पर लटक गए... अपनों की वापसी की राह में स्पेन के लोग

स्पेन। स्पेन के पूर्वी शहर वेलेंसिया में 29 अक्टूबर को आई भयंकर बाढ़ ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। लगातार आठ घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश के चलते पूरे शहर में जलभराव हो गया, जो सामान्यतः पूरे साल की बारिश से भी अधिक था। अचानक आई इस बाढ़ के कारण कई लोग सुरक्षित स्थान तक नहीं पहुंच पाए। बाढ़ से प्रभावित परिवार अभी भी अपने प्रियजनों के सुरक्षित होने की उम्मीद लगाए हुए हैं। 89 लोगों के लापता होने की सूचना है।

मारिया मुर्गुई, जिनके पिता बाढ़ के दौरान लापता हो गए, उन्होंने बताया कि उनके पिता अपनी कार को सुरक्षित स्थान पर ले जाने के लिए बाहर निकले थे लेकिन अचानक आई बाढ़ में फंस गए और डूबने से बचने के लिए एक पेड़ से लटक गए। मारिया ने अपने पिता की तलाश के लिए सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीर के साथ एक संदेश भी पोस्ट किया है। उन्होंने कहा यह एक रोलरकोस्टर की सवारी जैसा है। कभी मैं बहुत बुरा महसूस करती हूं और कभी थोड़ी बेहतर। उन्होंने कहा यह सच में पागलपन है, हमें समझ नहीं आ रहा कि क्या करें।" वेलेंसिया के सुपीरियर कोर्ट ने पुष्टि की है कि 133 मरे लोगों की पहचान उंगलियों के निशान या डीएनए जांच से की गई है। वहीं 62 मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। लापता लोगों की संख्या अधिक हो सकती है क्योंकि कुछ परिवारों ने अब तक अधिकारियों को सूचित नहीं किया है। वेलेंसिया में हुए विनाश के बाद स्पेन के राजा किंग फिलिप और क्वीन लेटिजिया के दौरे पर जनता का भारी आक्रोश देखने को मिला। बाढ़ पीड़ितों ने राजा पर कीचड़ फेंककर "हत्यारे" और "शर्म करो" जैसे नारे लगाए। प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज, जो राजा के साथ मौजूद थे, से भी लोगों ने आपदा प्रबंधन में विफलता पर सवाल उठाए। बाढ़ के बाद से राहत के लिए स्पेन की सरकार ने 10.16 अरब यूरो के राहत पैकेज की मंजूरी दी है, जो वेलेंसिया की 78 बस्तियों को राहत देने के लिए है। प्रधानमंत्री सांचेज ने इसे COVID-19 महामारी के दौरान उठाए गए कदमों जैसा महत्वपूर्ण बताया। इस पैकेज के तहत प्रभावित घरों के मालिकों को 20,000 से 60,000 यूरो का मुआवजा मिलेगा और स्थानीय व्यवसायों एवं प्रशासन को वित्तीय सहायता दी जाएगी।

आवश्यक वस्तुओं की किल्लत और स्वास्थ्य संकट

बाढ़ के बाद वेलेंसिया में पीने के पानी और भोजन की कमी हो गई है। लोग आवश्यक वस्तुओं के लिए लंबी कतारों में खड़े देखे जा रहे हैं। राहत कार्य में हजारों सैनिक, पुलिसकर्मी और फायरफाइटर्स जुटे हुए हैं। स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने लोगों को टेटनस के टीके लगवाने की सलाह दी है। इस विनाशकारी घटना के बाद सरकार की आपदा प्रबंधन तैयारियों पर सवाल उठ रहे हैं। जनता ने मांग की है कि भविष्य में ऐसी आपदाओं से निपटने के लिए पहले से प्रभावी उपाय किए जाएं।

ईरान की जिस लड़की ने सरेआम उतार दिए थे अपने कपड़े, उसे लेकर बड़ा खुलासा

तेल अवीव, एजेंसी। ईरान की राजधानी तेहरान की आजाद यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड रिसर्च में एक छात्रा के निर्वस्त्र होकर घूमने के मामले में एक बड़ा खुलासा हुआ है। सोशल मीडिया और पश्चिमी मीडिया में छात्रा के इस कदम को ईरान में लागू इस्लामी ड्रेस कोड के खिलाफ एक प्रतिरोध के रूप में देखाया गया था। हालांकि, ईरान सरकार ने अब कहा है कि छात्रा मानसिक परेशानी से ग्रस्त और उसे इलाज के लिए हॉस्पिटल भेज दिया है।

इस घटना के बाद विश्व के कई संगठनों और महिला अधिकारों पर बात करने वाले लोगों ने महिलाओं के अधिकारों और हिजाब नियमों पर विवाद को हवा दी थी। निर्वस्त्र महिला के ईरान के शासन के खिलाफ हिम्मत से खड़े रहने वाला बताया

गया था। जबकि ईरान अधिकारियों ने कहा है, "हम इस मुद्दे को सुरक्षा के नजरिए से नहीं, बल्कि सामाजिक नजरिए से देख रहे हैं और इस छात्रा के मानसिक इलाज पर ध्यान दे रहे हैं।"

ईरानी सरकार के प्रवक्ता फातिमा मोहाजेरानी ने मंगलवार को बताया कि महिला का इलाज किया जा रहा है। महिला के पति की ओर से जारी की गई एक वीडियो में कहा गया है कि उसको मानसिक इलाज की जरूरत है।

अंतरराष्ट्रीय संगठनों में गुस्सा

ईरान पुलिस ने महिला के कपड़े उतारने के बाद उसको हिरासत में ले लिया था। जिसके बाद मानव अधिकार संगठनों ने ईरान शासन की कड़ी आलोचना की थी। ब्रिटेन के मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने एक्स पर पोस्ट करते हुए छात्रा की बिना किसी शर्त के तुरंत रिहाई की मांग की।

महिला कर रही विद्रोह

सितंबर 2022 में ईरानी कुर्द महिला महसा अमिनी की मौत के बाद देश भर में विरोध प्रदर्शन हुए थे। महसा अमिनी ईरान के हिजाब कानून की विरोधी थी और उनकी मौत के बाद कई ईरानी महिलाओं ने हिजाब छोड़ कर विरोध किया था। इन प्रदर्शनों को सुरक्षा बलों द्वारा हिंसक तरीके से दबा दिया गया था।

शरद पवार लेने जा रहे राजनीति से संन्यास! संजय राउत बोले- ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, लेकिन...

मुंबई, एजेंसी। शरद पवार के सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने के संकेत पर, शिव सेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत का बयान सामने आता है। संजय राउत ने कहा कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। पवार साहब ने उल्लेख किया है कि वह संन्यास लेना चाहते हैं, लेकिन उनके समर्थक और उन्हें चाहने वाले उनसे संन्यास न लेने का आग्रह करते हैं। उन्होंने कहा कि देश में ऐसा कोई दूसरा राजनेता नहीं है जिसके पास 60 साल का संसदीय अनुभव हो। वह हमारे लिए प्रेरणास्रोत बने हुए हैं।'

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (सपा) प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को राजनीति से संन्यास लेने का संकेत दिया। वरिष्ठ राजनेता ने कहा कि उन्होंने 14 बार चुनाव लड़ा है और नई पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपने की जरूरत पर जोर दिया। पवार ने पार्टी उम्मीदवार और पोते युगेंद्र पवार के लिए प्रचार करने के लिए बारामती की अपनी यात्रा के दौरान यह टिप्पणी की, जो 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अपने चाचा अजीत पवार से मुकाबला करेंगे।

पवार ने कहा कि राज्यसभा का कार्यकाल पूरा होने के बाद वह इस बात पर विचार करेंगे कि उन्हें अपना संसदीय पद छोड़ना है या नहीं। उन्होंने कहा कि मैं सत्ता में नहीं हूं। मैं राज्यसभा में हूं और आखिरी डेढ़ साल बाकी है। मैं अब तक 14 चुनाव लड़ चुका हूं। मैं और कितने लोगों से चुनाव लड़ूंगा? हर बार आपने मुझे चुनाव जिताया है। मुझे कहीं रुकना चाहिए। नई पीढ़ी लानी चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वह सामाजिक कार्य करना जारी रखेंगे और इसके लिए किसी चुनाव की जरूरत नहीं होगी, उन्होंने कहा, "मैं लोकसभा में चुनाव नहीं लड़ूंगा। मैं कोई चुनाव नहीं लड़ूंगा।"

राहुल गांधी के आरक्षण वाले बयान पर भड़की भाजपा, कहा– इसी वजह से लोग उन्हें नेता नहीं मानते

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी ने तेलंगाना में अपने एक बयान में कहा है कि कांग्रेस सरकार 50 प्रतिशत आरक्षण की कृत्रिम बाधा को खत्म कर देगी। अब राहुल गांधी के इस बयान पर भाजपा का पलटवार सामने आया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि इसी वजह से लोग राहुल गांधी को गंभीरता से नहीं लेते हैं।

कैलाश विजयवर्गीय ने राहुल गांधी के बयान पर कहा कि 'राजनीति और नौटंकी अलग-अलग चीजें हैं। नौटंकीबाज कभी भी राजनीति में सफल नहीं हो सकता। राजनीति एक गंभीर विषय है और राहुल गांधी में कभी भी गंभीरता नहीं दिख सकती। यही वजह है कि जनता उन्हें नेता के तौर पर स्वीकार नहीं कर पा रही है। हम आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन राहुल गांधी समाज को जाति के नाम पर बांटना चाहते हैं, वे जातीय जनगणना के नाम पर राजनीति कर रहे हैं।'

आईआईएमसी के पूर्व महानिदेशक प्रो .द्विवेदी ने आशुतोष मिश्र को भेजा मानहानि का नोटिस

भोपाल। चंडीगढ़ के श्री आशुतोष मिश्रा को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के प्रोफेसर संजय द्विवेदी ने मीडिया में मिथ्या मानहानिकारक प्रसारण के लिए कानूनी नोटिस भेजा है। प्रोफेसर द्विवेदी भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के महानिदेशक भी रहे हैं।

प्रो. द्विवेदी ने अपने अधिवक्ता प्रमोद सक्सेना के माध्यम से भेजे गए

नोटिस में श्री मिश्रा को मीडिया में मिथ्या एवं मानहानि कारित करने वाले कतिपय सूचनाओं का सात दिन के अंदर खंडन करने की चेतावनी जारी की है। समाचार पत्रों में मिथ्या एवं झूठी खबरों के खंडन ना होने की स्थिति में प्रो.संजय द्विवेदी ने मानहानि का आपराधिक प्रकरण दर्ज कराने की चेतावनी भी दी है। उल्लेखनीय है कि चंडीगढ़ के श्री आशुतोष मिश्रा पिछले लंबे समय से प्रोफेसर द्विवेदी के विरुद्ध विभिन्न मीडिया चैनलों - पत्रों में मिथ्या एवं झूठी खबरों को प्रसारित करने का कार्य करते रहे हैं और न्यायालयों में मुकदमा चलाते रहे हैं, जिसमें कई सारे मामले खारिज हो चुके हैं।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से एमयूडीए मामले में पूछताछ, लोकायुक्त पुलिस के सामने हुए पेश

बंगलूरू, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) स्थल आवंटन मामले में पूछताछ के लिए लोकायुक्त पुलिस के सामने पेश हुए। लोकायुक्त पुलिस की प्राथमिकी में आरोपी संख्या एक के रूप में नामित मुख्यमंत्री पर एमयूडीए द्वारा उनकी पत्नी पार्वती बीएम को 14 जगहों का आवंटन किए जाने में अनियमितताओं का आरोप है। 25 अक्तूबर को उनकी पत्नी से पूछताछ की गई थी, जिन्हें आरोपी संख्या दो बनाया गया है। सिद्धरमैया, उनकी पत्नी, उनके साले मल्लिकार्जुन स्वामी, देवराजू और अन्य का नाम मैसूर स्थित लोकायुक्त पुलिस द्वारा 27 सितंबर को दर्ज की गई प्राथमिकी में दर्ज है। देवराजू से स्वामी ने जमीन खरीदकर पार्वती को उपहार में दी थी। स्वामी और देवराजू पहले ही लोकायुक्त पुलिस के समक्ष पेश हो चुके हैं। इस बीच विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सिद्धारमैया के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा विधायक टीएस श्रीवत्स के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने सिद्धारमैया की आलोचना की और उनसे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने तथा जांच का सामना करने को कहा। इस बीच कर्नाटक हाईकोर्ट ने मंगलवार को आरटीआई (सूचना का अधिकार) कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की दायर उस रिट याचिका पर सिद्धारमैया और अन्य को नोटिस जारी किया, जिसमें मामले में जांच का जिम्मा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। कोर्ट मामले में अगली सुनवाई 26 नवंबर को करेगी। दरअसल, मुख्यमंत्री ने एमयूडीए स्थल आवंटन मामले के संबंध में एकल न्यायाधीश पीठ के फैसले को चुनौती देते हुए 24 अक्तूबर को हाईकोर्ट की खंडपीठ के सामने अपील की थी। इससे पहले न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना की पीठ ने 24 सितंबर को मुख्यमंत्री की उस याचिका को खारिज कर दिया था।

पुलिसिया स्वैग में नजर आईं दीपिका पादुकोण, निर्माताओं ने जारी किया 'लेडी सिंघम' ट्रैक

'सिंघम अगेन' के निर्माताओं ने फिल्म के प्रदर्शन को देखते हुए दीपिका पादुकोण के किरदार के लिए एक विशेष ट्रैक रिलीज किया है। 'लेडी सिंघम' नाम के इस ट्रैक में दीपिका अपना पुलिसिया स्वैग दिखाती हुई नजर आती हैं।

रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम अगेन' सिनेमाघरों में धूम मचा रही है। फिल्म को लेकर प्रशंसकों में जबर्दस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने अब तक 153.37 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। 'सिंघम अगेन' की सफलता के बाद, निर्माताओं ने 'लेडी सिंघम' नाम का एक नया ट्रैक जारी किया है, जिसमें दीपिका पादुकोण पुलिस अधिकारी शक्ति शेट्टी की शक्तिशाली भूमिका में नजर आ रही हैं। एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए निर्माताओं ने लिखा, "रूतबा कड़क, किरदार बेधड़क।"

दीपिका पादुकोण का 'लेडी सिंघम' अवतार

निर्माताओं ने फिल्म के अच्छे प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए दीपिका पादुकोण के 'लेडी सिंघम' अवतार के लिए एक विशेष ट्रैक रिलीज किया है। इस ट्रैक में 'लेडी सिंघम' बैकग्राउंड में बज रहा है और 'शक्ति शेट्टी' (दीपिका पादुकोण) अपने पुलिसिया स्वैग में नजर आ रही हैं।

दीपिका का दिखा स्वैग

ट्रैक के शुरुआत में दीपिका अपनी पुलिस कार से स्टाइल में उतरती हैं, जैसे अजय देवगन सिंघम में एंट्री लेते हैं। ट्रैक में दीपिका और अजय के क्लिप बारी-बारी से दिखाए गए हैं, जिससे उन दोनों की समानताओं के प्रदर्शित किया जा सके। इस ट्रैक में दीपिका का डायलॉग "मैं सिंघम नहीं लेडी सिंघम है रे" भी सुनने को मिलता है। फिल्म के अन्य एक्शन दृश्यों के साथ दीपिका का एक्शन सीक्वेंस भी देखने को मिलते हैं।

स्टार पॉवर ने खींचा ध्यान

संतोष वेंकी द्वारा गाए गए इस ट्रैक में रवि बसरूर का संगीत और कुमार के बोल हैं, जो दीपिका के साहसी और उग्र पुलिस अधिकारी व्यक्तित्व को बखूबी दर्शाते हैं। अजय देवगन, रणवीर सिंह, अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, दीपिका पादुकोण, करीना कपूर खान और अर्जुन कपूर जैसे सितारों से सजी इस फिल्म ने अपनी स्टार पावर के चलते काफी ध्यान आकर्षित किया है।

'भूल भुलैया 3' से बॉक्स ऑफिस पर हो रहा सामना

अजय देवगन की 'सिंघम अगेन' बॉक्स ऑफिस पर कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया 3' से सामना कर रही है। 'भूल भुलैया 3' भी बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। कार्तिक की फिल्म ने अब तक बॉक्स ऑफिस से 137 करोड़ रुपये बटोर लिए हैं। दोनों फिल्में एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ में लगी हुई हैं।

हीरो हीरोइन की कहानी से विलेन हो गया नाराज, इसलिए प्रीमियर पर नहीं पहुंचे साकिब सलीम

हाल ही में सिटाडेल हनी बनी वेब सीरीज का प्रीमियर रखा गया था। इस कार्यक्रम में शो के अभिनेता साकिब सलीम नजर नहीं आए। उनकी अनुपस्थिति की वजह से अब कयासों का बाजार गर्म हो गया है।

वरुण धवन और सामंथा अभिनीत 'सिटाडेलः हनी बनी' वेब सीरीज जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। शो को लेकर लोगों में काफी उत्सुकता है। हाल ही में इस शो का मुंबई में प्रीमियर रखा गया था, जिसमें फिल्म इंडस्ट्री के कई मशहूर सितारे नजर आए थे। हालांकि, सबसे हैरानी की बात यह थी कि इस कार्यक्रम में साकिब सलीम नजर नहीं आए।

प्रीमियर पर क्यों नहीं शामिल हुए साकिब?

प्रीमियर पर शामिल न होने के लेकर तमाम तरह के कयास लगने शुरू हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता कथित तौर पर ट्रेलर में नजर न आने की वजह से नाखुश हैं। इसी वजह से उन्होंने हालिया कार्यक्रम से परहेज रखा। ताजा जानकारी के अनुसार साकिब इस समय गोवा में हैं।

शो के प्रचार से बनाई दूरी

मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि साकिब की नाराजगी सबसे पहले इस बात से शुरू हुई कि ट्रेलर में उनका किरदार आखिर क्यों नहीं दिखाया गया? साथ ही, उन्हें सभी प्रचार गतिविधियों से भी दूर रखा गया है। अभिनेता ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस शो का अब तक कोई भी प्रचार नहीं किया है।

किसके लिए किया सोशल मीडिया पोस्ट

इसके अलावा साकिब ने इंस्टाग्राम पर हाल ही में एक पोस्ट भी शेयर की थी, जिसमें उन्होंने अप्रिय परिस्थितियों को शालीनता से संभालने के बारे में बताया था। लोग इसे सिटाडेल की टीम के साथ मनमुटाव से जोड़ते हुए देख रहे हैं।

इस दिन होगा सिटाडेल का प्रीमियर

सिटाडेल की बात करें तो यह वेब सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर आने वाली है। इसे सीता आर मेनन ने राज और डीके के साथ मिलकर लिखा है। इसका निर्माण डी2आर फिल्म्स, अमेजन एमजीएम स्टूडियोज की ओर से किया गया है। रूसो ब्रदर्स इस शो के कार्यकारी निर्माताओं में से एक हैं। यह शो 7 नवंबर को प्रीमियर के लिए तैयार है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail।com